प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ...सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

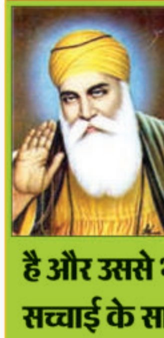

सत्य को जानना हर चीज से बड़ा है और उससे भी बड़ा है सच्चाई के साथ जीना।

गुरू नानक जी

वर्ष-05, अंक - 26 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 30 मार्च 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल से गूगल को नहीं मिली राहत

30 दिनों में दिया 1337 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल से गूगल को राहत नहीं मिली है। एनसीएलएटी ने इंटरनेट कंपनी गूगल पर 1,337 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के कमीशन ऑफ इंडिया के आदेश को बुधवार को बरकरार रखा है।

नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल की दो सदस्यीय पीठ ने गूगल को निर्देश को लागू करने और 30 दिनों में राशि जमा करने का निर्देश दिया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन जस्टिस अशोक भूषण और सदस्य आलोक श्रीवास्तव की बेंच ने भी कमीशन ऑफ इंडिया के आदेश में कुछ संशोधन किए हैं।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने गूगल की दलील को किया खारिज

उनहोने गूगल की इस दलील को भी खारिज कर दिया है कि जांच में कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन किया गया था। पिछले वर्ष 20 अक्टूबर को कमीशन ऑफ इंडिया ने एंडरोइड मोबाइल उपकरणों के संबंध में प्रतिस्पर्धा-रोधी प्रथाओं के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। उन्होंने गूगल को विभिन्न अनुचित व्यावसायिक प्रथाओं को बंद करने और हटाने का भी आदेश दिया था।

गूगल ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के समक्ष दी थी फैसले को चुनौती

गूगल द्वारा इस फैसले को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के समक्ष चुनौती दी गई थी, लेकिन नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल से गूगल को राहत नहीं मिली और उन्होंने जुर्माना लगाने के कमीशन ऑफ इंडिया के आदेश को बुधवार को बरकरार रखा। साथ ही गूगल को 30 दिनों में राशि जमा करने का निर्देश दिया है।

बागेश्वर धाम के दरबार में डेढ़ वर्षीय बच्ची की मौत, जाँच में जुटी पुलिस

जबलपुर।

पनागर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीमद् भागवत कथा चल रही है साथ ही धीरेंद्र शास्त्री का दरबार भी लगा है। जहां भागवत पंडाल में एक डेढ़ साल की बच्ची की मौत की खबर सामने आ रही है। तो वहीं अब घटना की जानकारी मिलने के बाद पनागर थाने की पुलिस जांच में जुट गई है।

यह है पूरी घटना

बताया जा रहा है कि, बच्ची कटनी जिले के ढीमरखेड़ा की रहने वाली थी जो कि सोमवार दोपहर को अपने माता-पिता के साथ बागेश्वरधाम आई हुई थी। बच्ची के पिता मनोहर पटेल ने बताया कि, उसकी 15 माह की बच्ची हिमांशी पटेल की काफी दिनों से तबियत खराब थी। कुछ दिन पहले मनोहर पटेल ने बागेश्वर धाम में जाकर अर्जी भी लगाई थी। इस बीच मनोहर पटेल को पता चला कि, जबलपुर के पनागर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीमद् भागवत कथा हो रही है। जिसमें मनोहर पटेल अपनी पत्नी और बच्ची के साथ पहुंचे थे।

परिजन ने बताया कि, बच्ची की जिंदगी के लिए गए थे जबलपुर

सोमवार को 15 माह की बच्ची की अचानक ही तबीयत बिगड़ी और वह रोते-रोते अचानक ही चुप हो गई। परिवार वालों ने जब बच्ची को हिलाया-डुलाया पर वह नहीं उठी। पुलिस की मदद से तुरंत की बच्ची को पनागर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत के बाद पिता मनोहर पटेल उसे लेकर अपने गांव ढीमरखेड़ा आ गए जहां पर बुधवार को बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया।

धर्म को राजनीति से दूर रखें राजनेता- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

नफरती बयानों यानी हेट स्पीच देने वालों के खिलाफ देश की सर्वोच्च अदालत ने जबरदस्त फटकार लगाई है। हेट स्पीच देने वाले लोगों पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, ऐसे लोग खुद को संयमित क्यों नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने आगे पूछा कि आखिर ये लोग क्यों किसी नागरिक या समुदाय को अपमानित करते हैं और ऐसा करना कब बंद करेंगे। राजनीतिक भाषणों में धर्म का प्रयोग करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस क्षण से देश के राजनेता धर्म को अलग रखकर राजनीति करना शुरू करेंगे, उसी क्षण से हेट स्पीच के मामले भी समाप्त हो जाएंगे।

बता दें कि कुछ महीनों पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच के मामले पर तीखी टिप्पणी की थी। जस्टिस केएम जोसफ ने कहा था, यह 21वीं सदी है। हम धर्म के नाम पर कहां आ पहुंचे हैं? हमें एक धर्मनिरपेक्ष और सहिष्णु समाज होना चाहिए, लेकिन आज घृणा का माहौल है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा था कि सामाजिक तानाबाना बिखरा जा रहा है। हमने ईश्वर को कितना छोटा कर दिया है। उसके नाम पर विवाद हो रहे हैं।

ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ीः हाईकोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

मुम्बई ऐजेन्सी।

मुम्बई उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली शिकायत में राहत देने से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि, उसे इस मामले में हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

न्यायमूर्ति अमित बोरकर की एकल पीठ ने जनवरी के सत्र अदालत के आदेश को चुनौती देनेवाली बनर्जी की याचिका खारिज कर दी। बनर्जी ने अपनी याचिका में कहा कि सत्र अदालत को सम्मन को रद्द करने और मामले को वापस लेने के बजाय पूरी शिकायत को रद्द कर देना चाहिए था। न्यायमूर्ति अमित बोरकर ने कहा कि सत्र न्यायालय द्वारा पारित आदेश में मामले को नए सिरे से जांच के लिए वापस मजिस्ट्रेट की अदालत में भेजने और प्रक्रिया (समन) जारी करने पर नए सिरे से निर्णय करने में कोई खामी नजर नहीं आती। इसलिए उच्च न्यायालय को इसमें हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

याचिका में राष्ट्रगान का कथित तौर पर अपमान करने के मामले में प्राथमिकी दर्जकरने का अनुरोध करनेवाली अर्जी को पुनर्विचार के लिए फिर से मजिस्ट्रेट अदालत के पास भेजने के विशेष सांसद/विधायक अदालत के फैसले को ममता बनर्जी ने चुनौती दी थी। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने स्थानीय भाजपा पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता की शिकायत पर मार्च 2022 में बनर्जी को समन जारी किया था।

गुप्ता ने अपनी शिकायत में दावा किया कि दिसंबर, 2021 में यशवंत राव चव्हाण ऑडिटोरियम मे एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान बजने पर भी बनर्जी बैठी रहीं, फिर बीच में अचानक खड़ी हुईं और दो पंक्तियां गाने के बाद अचानक चुप हो गईं और वहां से चली गईं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ जारी समन को सांसद/विधायक अदालत में चुनौती दी थी। जनवरी 2023 में न्यायाधीश आर. एन. रोकाडे ने प्रक्रियागत आधार पर समन को दरकिनार कर दिया और मजिस्ट्रेट से गुप्ता की शिकायत पर नए सिरे से विचार करनेको कहा था।

सलमान खान को गोल्डी बराड़ नेभेजा था धमकी भरा ई-मेल, मामले में अब इंटरपोल की हुई एंट्री

मुम्बई एजेन्सी।

एक्टर सलमान खान को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल मामले में बुधवार को बड़ा खुलासा हुआ है। मुंबई पुलिस की ओर से बताया गया कि, 18 मार्च को यह ई-मेल कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने भेजा था। ध्यान रहे कि पंजाबी सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की पिछले साल हुई हत्या के पीछे गोल्डी बराड़ का ही हाथ था। पुलिस का कहना है कि, यह गैंगस्टर फिलहाल ब्रिटेन में कहीं छिपा हुआ है। मुंबई पुलिस ने इस मामले में इंटरपोल की मदद ली है। बराड़ को लेकर पुलिस की ओर से ब्रिटिश सरकार को लेटर ऑफ रिक्वेस्ट भी भेजा गया है।

सलमान खान को उनके दफ्तर में एक ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बरार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। ईमेल भेजने वाले ने लिखा था, गोल्डी भाई (गोल्डी बराड़) सलमान खान से आमने-सामने बैठकर बात करना चाहता है। यह शिकायत प्रशांत गुंजलकर ने बांद्रा पुलिस को दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक, गुंजलकर खान के बांद्रा स्थित घर अक्सर आता-जाता है। वह कलाकारों से जुड़ी मैनेजमेंट कंपनी को ऑपरेट करता है।

रोहित गर्ग की आईडी से आया था ई-मेल

अधिकारी ने बताया कि, बिश्नोई और बरार के अलावा दर्ज प्राथमिकी में रोहित का भी नाम है। उन्होंने एफआईआर के हवाले से बताया कि, जब गुंजलकर शनिवार दोपहर को खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित दफ्तर में था तो उसने देखा कि रोहित गर्ग की आईडी से एक ई-मेल आया है। यह ई-मेल हिंदी में लिखा था। इसमें कहा गया था कि, लॉरेंस बिश्नोई की ओर से हाल में न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू को सालमान खान ने देख ही लिया होगा। अगर नहीं देखा है तो उन्हें देखना चाहिए गोल्डी भाई से सामने

बैठकर बात करें सलमान

एफआईआर के मुताबिक, ई-मेल में गुंजलकर से कहा गया कि, अगर खान मामला खत्म करना चाहते हैं तो वह गोल्डी भाई से आमने-सामने बैठकर बात करें। ई-मेल में कहा कि अभी वक्त है लेकिन अगली बार झटका देखने को मिलेगा। यह प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 506-दो (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और 34 (साझा मंशा) के तहत दर्ज की गई है। मालूम हो कि बिश्नोई के इंटरव्यू को हाल ही में निजी समाचार चैनल ने प्रसारित किया था। मालूम हो कि जून 2022 में भी एक अज्ञात शख्स ने खान को धमकी दी थी।

राहुल गांधी असफल व अहंकारी नेता- सीएम शिवराज

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी पर जमकर हमला किया है। सीएम ने कहा कि, राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं, जिन्हें न राष्ट्र की जानकारी है और न ही राष्ट्रहित की। इसलिए पूरे देश में अमृत काल चल रहा है लेकिन कांग्रेस में राहु काल चल रहा है। शिवराज ने कहा कि, देश संविधान से चलता है। देश की जनता जानती है कांग्रेस देश की समस्या है और कांग्रेस की समस्या राहुल गांधी हैं। सीएम ने कहा कि, यह बात सारा देश जानता है। अगर राहुल गांधी नेहरू गांधी परिवार से न होते तो कहां होते...? उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के गुलाम नेता राहुल गांधी को राष्ट्रीय नेता बनाने पर तुले हैं।

श्री चौहान ने कहा कि, वास्तविकता यह है की राहुल गांधी नेहरू गांधी परिवार के सबसे असफल, कमजोर, गैर जिम्मेदार, लापरवाह और अहंकारी नेता हैं। सीएम ने कहा कि, यह अहंकार ही तो था कि राहुल गांधी ने अपनी ही सरकार के अध्यादेश को फाड़ कर फेंक दिया था। राहुल गांधी अलग-अलग वर्गों का अपमान करते हैं। जातियों का अपमान करते हैं, अहंकार में आकर उन्होंने पिछड़ा वर्ग को गाली दी उन्होंने पूरी की पूरी जाति को चोर बता दिया।

एक तो चोरी ऊपर से सीनाजोरी

सीएम ने कहा कि, राहुल अभी भी वह कह रहे हैं कि, माफी नहीं मांगेंगे। एक तो चोरी की है और फिर सीनाजोरी कर रहे हैं। आज मैं कह रहा हूं, पूरा पिछड़ा वर्ग कह रहा है न हम राहुल गांधी को माफ करेंगे, न कांग्रेस को माफ करेंगे। मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि अभी तो सांसदी और बंगला गया है। अगर कांग्रेस ने पिछड़ों से टकराने की कोशिश की तो पूरी की पूरी कांग्रेस चली जाएगी।

कटाक्षः राहुल को माफी मांगो यात्रा निकालना चाहिए

शिवराज सिंह चौहान ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी पर कहा कि, कांग्रेस ने कभी भी न कोर्ट के फैसलों का सम्मान किया, न ही गरीबों का। स्व. राजीव गांधी ने शाहबानो केस के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को किस तरह पलटा यह सारा देश जानता है।। कोर्ट की सजा के विरोध में कांग्रेसी सत्याग्रह यात्रा निकालने संबंधी सवाल पर शिवराज ने कहा- राहुल को तो माफी मांगो यात्रा निकालना चाहिए।

'यूपीआई सेवा फ्री लेकिन किए गए बदलाव में लगेगा चार्ज

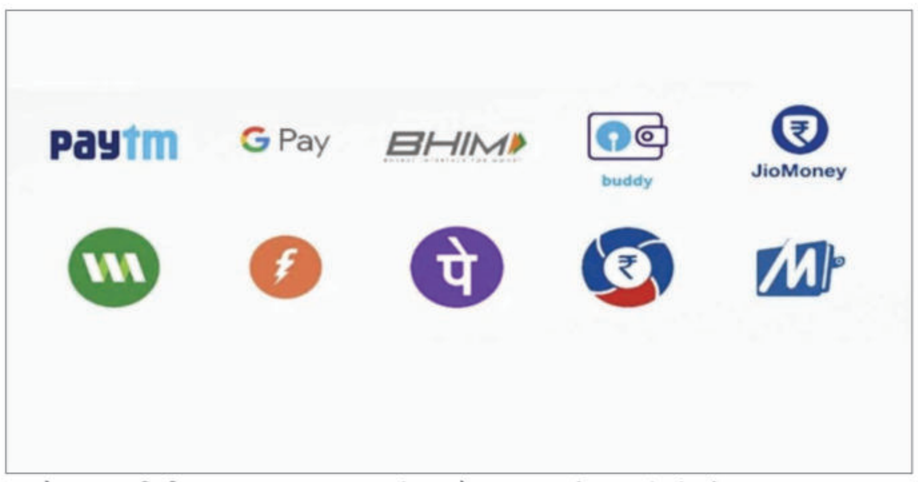

डेस्क न्यूज,दिल्ली।

यूपीआई सेवा एकदम मुफ्त है, अगर आप अपने बैंक अकाउंट से किसी और के बैंक अकाउंट में डाइरेक्ट ट्रांसफर करते हैं तो। आप अपने वॉलेट पेटीएम, फ़ोन पे, गूगल पे से किसी भी इंदुअल के वॉलेट में मुफ्त में पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं।

अब सवाल है कि फिर यह 1.1 प्रतिषत फीस किस बात की हैं...? मान लीजिये आप एक दुकान पर जाते हैं आपने 2000 रूपए तक का सामान खरीदा, और दुकानदार ने आपको अपने पेटीएम,गूगल पे ,फ़ोन पे, वॉलेट में पैसा ट्रांसफर करने को कहा तो आपको कोई भी एक्स्ट्रा फीस नहीं देनी हैं। अगर दुकानदार आपको अपने बैंक अकॉउंट में यूपीआई के द्वारा पैसा डालने को कहता हैं तो किसी भी तरह की फीस नहीं लगेगी। आप फ़ोन पे ,पेटीएम या गूगल पे खोलेंगे, तो पाएंगे कि उसमे भी यूपीआई पेमेंट का ऑप्शन होता है। आप वह इस्तेमाल करते हैं तो कोई चार्ज नहीं लगेगा।

अब मान लीजिये कि आपने 2100 रूपए का सामान खरीदा और दुकानदार आपको अपने यूपीआई या बैंक अकॉउंट के बजाये वॉलेट में पैसा भेजने को कहता हैं तो उस 2100 रूपए के ट्रांजेक्शन पर 1.1 प्रतिशत फीस लगेगी।

यह चार्ज देगा कौन...?

दुकानदार या मर्चेंट ही देगा...खरीददार को यह फीस नहीं देनी होगी। अगर आप 2000 रूपए से ज्यादा का सामान खरीदते हैं, और दुकानदार आपको अपने वॉलेट में पैसे ट्रांसफर करने को कहता है तो आप उसे उसका अकॉउंट नम्बर या यूपीआई देने के लिए बोल सकते हैं। अगर फिर भी दुकानदार नहीं माने, या उसके पास बैंक अकाउंट या यूपीआई आईडी नहीं हैं , तो आप पेमेंट कीजिये और आपको कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं चुकाना है। जो 1.1 प्रतिशत लगेगा ट्रांजेक्शन पर, वह दुकानदार के अकॉउंट से कटेगा।

य ह क्यों किया जा रहा है..?

इसका पहला कारण तो यूपीआई के चलन को बढ़ाना है.. हर दुकानदार अपना 1.1 प्रतिशत बचाने के लिए बैंक अकाउंट या यूपीआई के उपयोग करने को प्राथमिकता देगा। और देनी भी चाहिए। जब आपके पास बैंक अकाउंट है, तो उसी में पैसा लो. छोटा-मोटा पेमेंट वॉलेट में ले लो। लेकिन 2000 से ऊपर वाले ट्रांजेक्शन बैंक अकाउंट या यूपीआई में ही कीजिए.। यह एकदम फ्री रहेगा सभी के लिए।

फौजी मेले में शिवराज ने लगाया निशाना...

भोपाल। एमवीएम मैदान में सीएम चौहान ने फौजी मेले का उद्घाटन किया है। इस दौरान उन्होंने नजदीक से सेना के हथियारों को देखा है। सीएम फौजी मेले में निशाना लगाते भी दिखे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि, हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि, हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन किसी ने हमें छेड़ा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। जितना पुराना हमारा इतिहास है, उतना ही पुराना हमारा शौर्य है। हजारों साल से हमारी संस्कृति दुनिया को दिशा दिखाती रही है।

सीएम ने कहा कि, हम ऐसे देश में रहते हैं, जहां कहा गया है कि, सारी दुनिया ही हमारा परिवार है। अत्यंत प्राचीन राष्ट्र है हमारा। जब पश्चिमी देशों में सभ्यता का सूर्योदय नहीं हुआ था, तब हमारे देश में वेदों की रचनाएं रच दी गई थी। शिवराज सिंह ने कहा कि, जितना पुराना हमारा इतिहास है, उतना ही पुराना हमारा शौर्य है। हजारों साल से हमारी संस्कृति दुनिया को दिशा दिखाती रही है। यूनान, मिस्त्र, रोम सब मिट गए जहां से, मगर अभी तक नामोनिशान हमारा है।

सीएम शिवराज ने कहा कि पहले सारे हथियार हम दुनियाभर से आयात करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सेना के जवानों की शौर्य गाथा सुनाते हुए कहा कि, हम यहां इसलिए सुरक्षित हैं क्योंकि हमारे वीर जवान मई और जून की तपती दोपहर में 48.50 डिग्री तापमान में भी सीमाओं की सुरक्षा करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने हमारे देश की धरती पर अपने नापाक कदम रखने की जुर्रत की तो सर्जिकल और एयर स्ट्राइक हमारे जवानों ने किया। चीन ने भी जुर्रत की तो उनके जवानों की गर्दन तोड़कर हमारे जवानों ने फेंक दी। हम तो चैन से त्यौहार मनाते हैं, परिवार के साथ रहते है, लेकिन ये वो हैं जो अपने परिवार से दूर रहकर मां भारती की सेवा करते हैं।

शौर्य स्मारक में टैंक लगाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमने जवानों की स्मृति में भोपाल में शौर्य स्मारक बनाया हैं, ये सेना के शौर्य का प्रतीक है। बच्चों से कहना चाहूंगा कि, शौर्य स्मारक जरूर घूमकर आओ। शौर्य स्मारक में अगर हमें टैंक और हथियार मिल जाएं, तो हम ऐसा सजाएंगे कि, सेना के शौर्य का सबसे अच्छा प्रकटीकरण होगा।

राजनीतिक हलचल... जयस की उपस्थिति चुनाव नतीज़ों को करेगी प्रभावित

जयस की ओर से युवा चेहरे भर रहे मैदान में उतरने का दावा, भाजपा-कांग्रेस के टिकिट लेकर मैदान में उतरने पर फोकस

माही की गूंज,पेटलावद। राकेश गेहलोत

प्रकाश डामर।

ईश्वर गरवाल।

सचिन गामड़।

विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर इस बार जो चर्चा है वो सीधे मुकाबले की न होकर त्रिकोणीय मुकाबले की हो रही है। जिसका मुख्य कारण जय आदिवासी संगठन जयस जो पिछले चार से पांच वर्षो से लगातार सक्रिय है। सरकार के हर संभव प्रयासों के बाद भी जयस अब मजबूत संगठन बनकर दोनों मुख्य दलों के समक्ष खड़ा हो गया है। हलाकि वर्तमान स्थिति में जयस के नाम पर सीधे मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी जीतेगा ये तो तय नही है पर चुनाव परिणाम प्रभावित होंगे ये तय है। लगातार जयस संगठन सहित आदिवासी संगठन के माध्यम कई युवा विधानसभा में उतरने का दावा कर रहे है, जो अपने आप मे संगठन की मजबूती का अहसास विपक्षियों को करवा रहा है। संगठन की सबसे बड़ी कमजोरी दो से तीन भागों में बटा होना जिसके चलते एक नाम पर सहमति बन पाना मुश्किल लग रहा है वही दूसरी ओर कुछ दावेदार ये भी चाहते है की उनको मुख्य दलों से मौका मिल जाये।

परिवर्तन और युवा चहरे की मांग, कई युवा कर रहे है दावा

बात करे जयस संगठन की और से मैदान में उतरने की तो ज्यादातर दावेदार युवा है, जो लगातार क्षेत्र में हर आयोजन के साथ-साथ देश भर में आदिवासीयो के साथ होने वाली घटनाओं के विरोध और समर्थन में मैदान में नजर आते रहे है। वही सामाजिक स्तर पर होने वाले आयोजनों के साथ-साथ, जगह-जगह आदिवासी महापुरुषों की गाता स्थापना में बड़ी संख्या में युवा संगठन से जुड़कर साथ हो गए। वही समाज के कई नोकरी पेशा कार्मचारी और अधिकारी भी खुलकर आर्थिक सहयोग कर रहे है। इसी ताकत ओर हिम्मत के दम पर विधानसभा 2023 के मैदान में उतरने का दावा किया जा रहा है। जिन युवाओं पर संगठन और राजनीतिक दलों की नजर है उसमें मोहनकोट क्षेत्र से प्रकाश डामर है, जो जयस के राष्ट्रीय संरक्षक हीरालाल अलावा से सीधे संपर्क में है और विधानसभा से टिकिट मांग रहे है। चुनाव मैदान में वो सीधे या किसी राजनीतिक दल की टिकिट पर उतरेंगे वो हीरालाल अलावा तय करेंगे। वार्ड क्रमांक 13 से जिला पंचायत चुनाव में कड़ी चुनोती पेश करने वाले ईश्वर गरवाल भी संगठन से उम्मीद कर रहे है कि उनको मौका दिया जाए, लेकिन ईश्वर गरवाल, आनंद राय गुट के कहे जा सकते है और जब तक बड़े स्तर पर सामंजस्य स्थापित नही हो जाये तब तक इंतजार करना होगा।

करवड़ से बिटीबी पार्टी से जुड़े सचिन गामड़ जो पिछले चुनाव मैदान में उतर कर विधानसभा चुनाव का अनुभव ले चुके है और लगभग 6 हजार वोट लाये थे। इस बार उनकी दावेदारी भी मजबूत है, जो जयस के साथ लगातार सक्रिय रहे है और भी युवा है जो अपने-अपने स्तर से प्रयास कर रहे है, कोर कमेटी में उनका नाम आगे तक जाये। वही संगठन को पर्दे के पीछे से मद्दत करने वाले कई सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों में से कोई एक चेहरा भी अचानक सामने आने की संभावना है जो इस जोड़ जुगाड़ में है कि, उनको भाजपा या कांग्रेस अपनी टिकिट पर लांच कर दे।

रामा में कमजोर जयस

दो विकास खंडों में बटी जयस पेटलावद विकास खंड में तो अच्छी उपस्थिति दर्ज करवा चुकी है, लेकिन विधानसभा का दूसरा भाग रामा विकास खण्ड संगठन के स्तर कमजोर है। इसी के चलते जयस संगठन के माध्यम से टिकिट की मांग करने वालो में लगभग चेहरे पेटलावद विकास खण्ड से ही है, रामा से कोई बड़ा नाम अब तक सामने नही है। यही जयस संगठन की परेशानी भी है क्योंकि विधानसभा जैसा बड़ा चुनाव पूरी ताकत से लड़ना पड़ेगा। ये बात संगठन के बडे पदाधिकारी अच्छे से जानते है। यही कारण है, इस बार जयस राजनीतिक समझौते के साथ ही मैदान में उतरेगी। भाजपा या कांग्रेस तय नही, क्योंकि स्थानीय चुनावो में देखा गया कि, जयस संगठन ने परिस्थितियों के अनुसार भाजपा तो कही कांग्रेस के साथ समझौता किया है। इसलिए ये कहना कि, जयस सिर्फ कांग्रेस के भरोसे है ये अभी जल्दबाजी होगी।

आपस में ही बटी हुई है जयस

वर्तमान में, जिले में जयस के नाम पर कई लोग अपनी-अपनी राजनीति चमका रहे है और कई मुद्दों व अपने नेता को लेकर एक-दूसरे का विरोध तक करते नजर आ रहे है। हीरालाल अलावा खुद कांग्रेस से विधायक बने हुए, इसलिए संगठन के एक पक्ष को ये बात गले नही उतरती तो दूसरी ओर एक धड़े के ओबीसी चेहरा आनन्द राय बने हुए है। जिन्हें उनके विपक्षी खेमे द्वारा आदिवासीयो के नाम पर राजनीति करने वाला बताकर विरोध किया जाता है। इतना ही नही सोशल मीडिया पर जयस के नाम पर बनी आइडियो से कांग्रेस नेताओं के पक्ष में खुला बखान किया जाता है और सभी धड़ों में विरोधाभास देखा जाता है। जयस के साथ-साथ कई आदिवासी संगठन सक्रिय है, जिनकी विचारधारा एक-दूसरे से नही मिलती। बटी हुई जयस किस तरह इस विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाती है ये भविष्य के गर्त में है लेकिन जयस का राजनीतिक भविष्य आगे कितना है जरूर तय हो जाएगा।

फिर घिरी कौशल्या... थाने के बाहर रात भर से भजन कीर्तन करते रहे हिन्दू संगठन के लोग

धर्मांतरण के आरोपी की शिकायत पर हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं पर दर्ज हुआ प्रकरण

विरोध में हिन्दू संगठन ने घेरा थाना ,रात को थाने पर ही सोये, सुबह तक जारी रहा विरोध

माही की गूंज ,कल्याणपूरा।

थाना कल्याणपूरा की विवादित थाना प्रभारी कौशल्या चौहान एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। लगातार पुलिस प्रशासन के लिए गले ही हड्डी बन गई है।

मंगलवार रात में कल्याणपुरा थाना पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ता कीर्तन करते हुए धरने पर बैठ गएं। कार्यकर्ता थाने के बाहर कीर्तन करते हुए कल्याणपुरा थाना पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। दरअसल झेर गांव में 25 मार्च को जबरन धर्मांतरण को लेकर मामला सामने आया था। झेर गांव के ही रहने वाले रमेश की लिखित शिकायत पर पुलिस ने 5 लोगों पर जबरन धर्मांतरण करने को लेकर मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है, इसी मामले में हिंदू संगठन के लोगों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इसी बात का विरोध कार्यकर्ता कर रहे हैं। कार्यकर्ता कल्याणपुरा थाने के बाहर कीर्तन करते हुए धरने पर बैठें। एफआईआर निरस्त करने की मांग की गई। कल्याणपुरा थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने बताया कि, धर्मांतरण वाले मामले में जिन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी, उस दिन रात को झेर के गांव वालों ने आकर मारपीट का आरोप लगाते हुए, 4 नामजद और 30 अन्य पर एफआईआर दर्ज करवाई है। कुछ लोग घायल भी हुए हैं। हालांकि ये शुरूआती जानकारी है, एफआईआर की कॉपी सामने आने के बाद ही पता लगेगा की आखिर पूरा मामला क्या हैं।

विहिप नेता उतरे मैदान में

विहिप नेता आज़ाद प्रेमसिंह भी कल्याणपुरा थाने पर पुलिस की कार्रवाई का विरोध करने संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। थाना प्रभारी से एफआईआर कॉपी की मांग की गई, लेकिन उन्हें नहीं दी गई। दूसरी ओर भले ही एफआईआर दर्ज करने की बात कही जा रही है, लेकिन पुलिस के सीसीटीएनएस पोर्टल पर कार्यकर्ताओं पर दर्ज एफआईआर दिखाई नहीं दे रही है।

रामायण फेम के अरुण गोविल होंगे शामिल, रामनवमी पर आज होगा भव्य आयोजन ,पूरे नगर को अयोध्या की तरह सजाया

माही की गूंज, पेटलावद।

रामनवमी के अवसर पर आज नगर में हिन्दू जागरण मंच के तत्वावधान में सब के राम, सब मे राम, थीम पर भव्य आयोजन होने जा रहा है। उक्त आयोजन को लेकर विगत एक माह से तैयारियां सतत् रूप से चल रही है। पूरे नगर को उक्त आयोजन से जोड़ने के लिए सामाजिक स्तर पर भी अलग-अलग बैठके कर धर्म जागरण किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से रामानंद सागर की रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आज हजारो लोगो की उपस्थिति में धार्मिक जुलूस ओर धर्म सभा का आयोजन होगा जिंसमे धार्मिक गुरुओं की उपस्थिति रहेगी।

पोस्टर, बैनर ओर झंडों से पटा पूरा नगर

आयोजन को लेकर पूरे नगर को अयोध्या की तरह सजाया गया हैं। श्रद्धांजलि चौक से लेकर रायपुरिया रोड पुलिस थाने तक मुख्य मार्ग रंग बी रंगी लाइटिंग की गई है साथ ही पूरे नगर में झंडे, बैनर लगाए गए है। आयोजन को लेकर धार्मिक ग्रुपो, संगठनों, राजनीतिक दलों सहित निजी, सामाजिक बैनर और पोस्टरों से पूरा नगर पट गया है। आयोजन की भव्यता देखते ही बन रही है।

प्रत्येक समाज से 2 युवाओं को बनाया व्यवस्थापक

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर शहर में होने वाले सबके राम सबमें राम कार्यक्रम की तैयारियां अब अंतिम दौर में चल रही है। इसी कड़ी में जिलेभर में हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने प्रमुख संतों, अधिकारियों, नेताओ और गणमान्य नागरिकों को निमंत्रण पत्र देकर इस आयोजन में पधारने की अपील की। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदू जागरण मंच द्वारा श्री राम नवमी पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शोभा यात्रा के बाद भगवान श्री राम की महाआरती की जाएगी, जिस पश्चात धर्म सभा का आयोजन भी किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर नगर के युवाओं की बैठक हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने ली। बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने युवाओं से अपील की कि, वे सभी अपने-अपने वार्ड के युवाओं की टोलियों को इक्ठ्ठा कर 30 मार्च को श्री राम जन्मोत्सव के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा में लाए। साथ ही मोहल्लेवार सभी परिवारों को भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए घर-घर पीले चावल डालकर अपील करे। इसके साथ ही नगर के 34 समाज से 2 युवाओं को व्यवस्थापक बनाया है। जो शोभायात्रा में अलग-अलग व्यवस्था देखेंगे।

सर्व समाज स्वागत की कर रहे तैयारियां

भगवान श्री राम जन्मोत्सव पर निकलने वाली शोभायात्रा का नगर में सर्व समाज द्वारा स्वागत सत्कार की तैयारियां की जा रही है। सभी संगठनों के साथ राजनीतिक पार्टियों द्वारा भी मंच लगाकर इस धार्मिक शोभायात्रा के स्वागत की अपने-अपने स्तर पर तैयारियां कर रहे है। पूरे नगर में हर किसी संगठन द्वारा शोभायात्रा के स्वागत के फ्लेक्स लगाए गए है। वहीं सोशल मीडिया के इस दौर फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि नेटवर्किंग साइटों पर नगरजन इस आयोजन के संबंध में बैनर पोस्ट कर रहे है। वहीं नगर के प्रवेश द्वारों पर भी बड़े स्वागत द्वार लगाए गए है, जो काफी आकर्षक नजर आ रहे है।

शार्ट सर्किट से लगी आग से हुआ बड़ा नुकसान

संत छाया आर्ट पर देर रात लगी आग पर फायरब्रिगेड से पाया काबू

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार देर रात बामनिया रोड पर स्थित संत छाया आर्ट पर शार्ट सर्किट के चलते दुकान में अचानक आग लग गई। आग फैलने के बाद आसपास के लोगो की दीवार पर लगा प्लास्टिक का सामना पिघलने और दीवार के गर्म होने पर दूकान में आग लगने की जानकारी लगी। जिसके बाद दुकान मालिक अंकित सेंचा को जानकारी दी गई। देखते ही देखते देर रात लोगो को भीड़ जमा हो गई और फायर ब्रिगेड की मद्दत से बमुश्किल आग पर काबू पाया गया। आगजनी से दुकान में रखा पूरा सामान और लगभग 60 से 70 लाख रुपये की मशीनें जल कर खाख हो गई। शुरुवाती जानकारी के अनुसार लगभग एक करोड़ की नुकसानी का अंदाज़ा लगाया जा रहा है जो अधिक भी हो सकता है। गनीमत रही की आग की चपेट में आसपास के मकान नही आये और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया । हालांकि दुकान मालिक अंकित सेंचा को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

झूठी सरकार झूठे वादे

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

शिवराज सरकार अपने कार्यकाल के 3 वर्ष पूर्ण होने पर जगह-जगह जश्न मना रहे हैं। तो कहीं-कहीं वाहन रैली निकाली जा रही है तो कहीं सभाएं लेकर शिवराज सरकार में किए गए कार्यों का ढिंढोरा पीट रहे हैं, लेकिन वास्तविकता धरातल पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा है।

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, शिवराज सरकार लोगों को कई प्रकार के प्रलोभन देकर ललचा रहे हैं। हाल ही में लाडली बहना योजना को लेकर सरकार ने जो प्रलोभन दिया है वह तो समय ही बताएगा की किसको कितना लाभ मिलेगा। लेकिन आधार कार्ड, समग्र आईडी के मिलान को लेकर केवाईसी और आधार लिंक को लेकर ग्रामीण लोग काफी परेशान हो रहे हैं, जहां देखो भीड़ नजर आती है कहीं बैंक में तो कहीं ऑनलाइन सेंटर पर लोगों का तांता लगा रहता है जिसका समाधान कुछ नजर नहीं आ रहा है। कई लोग परेशान होकर वापस घर चले जाते हैं तो कई लोग कागज भी फाड़ देते है।

ग्रामीण अंचल में सड़क, पानी और बिजली मुख्य मुद्दा है, जो आज तक हल नहीं हुआ। इन्हीं मुद्दों पर शिवराज सरकार भी पूर्ण होने का ढिंढोरा पीट रही है, लेकिन धरातल पर कुछ भी नहीं। हर घर नल और नल में जल को लेकर विगत 2 वर्षों से सरकार ग्रामीणों को लॉलीपॉप दे रही है, लेकिन 2 वर्ष से अधिक हो गए आज तक पूरी पाईपलाइन भी नहीं बिछा पाई, लोगों में धीरे-धीरे आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीण में नल-जल को लेकर भाजपा के सांसद गुमान सिंह डामोर द्वारा नल जल योजना के लिए शिलान्यास किया था, जिसे 2 वर्ष से भी अधिक समय हो गया लेकिन आज तक काकनवानी में नल-जल योजना शुरू नहीं हो पाई। इस नल-जल योजना को लेकर ग्रामीण जनों ने कई बार शिकायत भी सीएम हेल्पलाइन पर की एवं संबंधित अधिकारियों से भी शिकायत की। इसके साथ ही ग्राम पंचायत ने भी नल-जल योजना को लेकर लेटर पैड पर शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन किसी प्रकार की कोई भी सुनवाई नहीं हो हुई। ग्रामीणों का आक्रोश ग्राम पंचायत के प्रति फूट रहा है तो ग्राम पंचायत के सरपंच कह रहे हैं कि, नल-जल योजना अभी पंचायत के अधीन नहीं हुई है कार्य पूरा होने पर पंचायत के अधीन होगी, तब ही नल-जल प्रदाय पंचायत द्वारा सुचारू रूप शुरू हो पाएगी ।

पुरानी पाईप लाइन की गई बंद

करीबन 30 वर्ष पूर्व नल-जल योजना सुचारू रूप से चल रही थी तथा विगत 7 से 8 वर्षों से नल-जल योजना एक-दो दिन छोड़कर जल सप्लाई किया जाता था। जो की नई पाइप लाइन के डालने पर पुरानी पाइप लाइन को बंद कर दिया गया। विगत 2 वर्षों से पूर्णतः नल-जल सप्लाई बंद पड़ा है जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है लेकिन ना तो कोई अधिकारी सुनने को तैयार है और ना ही संबंधित कार्य कर रहा ठेकेदार सुन रहा है। पुरानी पाईप लाइन से 2 दिन में भी जल सप्लाई हो रहा था तो लोगों में धैर्य बना रहता था, लेकिन इन 2 वर्षों में पूर्णतः नल-जल योजना बंद कर दी गई। आज काकनवानी क्षेत्र में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। लोगों को पानी के टैंकर तक नहीं मिल रहे हैं और जो मिल रहे हैं उन्हें एक ड्रम पानी के 30 रूपये देना पड़ रहे हैं, उसके बावजूद भी बड़ी मुश्किल से पानी नहीं मिल रहा है। बताया जा रहा है कि, पूर्व में नल-जल सप्लाई हो रही थी, वहां पर जो मोटर लगी हुई थी वर्तमान में वह सभी मोटर अभी गायब है जिसके कारण भी नल-जल योजना ठप पड़ी है। नल-जल को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। पूरे गांव में मात्र 3 हैंडपंप लगे हुए हैं जिससे पानी की पूर्ति होना संभव नहीं है।

अपने राज करो जनता जाए भाड़ में

कांग्रेस हो या भाजपा कोई भी राजनीतिक दल जनता की समस्याओं को आज तक हल नहीं कर पाई। इन्हें तो सिर्फ और सिर्फ अपनी कुर्सी से मतलब है, चुनाव आते है, वोट लेते है, कुर्सी मिलते ही जनता को भूल जाते है, कुर्सी पर बैठने के बाद अपन तो राज करो जनता जाए भाड़ में की तर्ज पर अंधे-बहरे होकर सिर्फ और सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम करते है।

वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होना है जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है चुनाव को लेकर दोनों ही मुख्य राजनीतिक दल अपने वोटरों लोगों को मन लुभावन प्रलोभन और नई-नई योजना बता रहे हैं, लेकिन वर्तमान में जो समस्याएं पैदा हो रही है उनका हल कोई भी नहीं निकाल पा रहा है। आखिर लोगों को हो रही समस्याओं का निदान कौन करेगा और कब करेगा इसका कुछ कहा नहीं जा सकता। दोनों ही राजनीतिक दल पक्ष और विपक्ष को लोगों की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है इन्हें तो सिर्फ और सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां ही सेखना है जो यह सेख रहे हैं

जगह-जगह खोदे गये रोड हो रहे है रोज हादसे

नल-जल योजना को लेकर काकनवानी से ग्राम डूंगरी पाड़ा तक रोड खोद कर नल कनेक्शन क्रॉसिंग कर दिए गए, जो रोड खुदे हुए हैं उन्हें अभी तक भरा नहीं गया। रोड पर गड्ढे होने के कारण तेज गति से आ रहे वाहन असंतुलित होकर हादसे का शिकार हो रहे हैं, लेकिन उसे देखने वाला और बोलने वाला कोई नहीं है शायद सरकार को किसी बड़े हादसे का इंतजार है तभी सरकार एवं ठेकेदार की आंखें खुलेगी।

संपादकीय

बिना इंटरनेट पढ़ाई

यह तथ्य परेशान करता है कि देश के दस लाख सरकारी स्कूलों में से सिर्फ 2.47 लाख स्कूलों के पास इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। यह संख्या महज 24 फीसदी बैठती है। दिल्ली और चंडीगढ़ अपनी पीठ थपथपा सकते हैं कि वहां स्कूलों में सौ फीसदी इंटरनेट की उपलब्धता है। वैसे देश की राजधानी दिल्ली व दो प्रदेशों की राजधानी चंडीगढ़ में ऐसा होना कोई आश्चर्य की बात नहीं कही जानी चाहिए, क्योंकि ये शहर देश के नीति-नियंताओं के केंद्र हैं और यहां संरचनात्मक ढांचा सबल है। लेकिन बाकी राज्यों में पंजाब का बेहतर प्रदर्शन सुखद ही है। पंजाब में करीब 47 फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो सकी है। निस्संदेह, इसका श्रेय शिक्षा विभाग की सक्रियता और शिक्षकों की जागरूकता को दिया जाना चाहिए। लेकिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से तीन तरफ से जुड़े हरियाणा के सरकारी स्कूलों में इंटरनेट की उपलब्धता का 29 फीसदी रहना चौंकाता है। सरकार की तरफ से स्कूलों में लाखों टैब व लेपटॉप बांटने व कई अभियानों के बावजूद प्रतिशत कम रहना एक यक्ष प्रश्न है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश में 27 फीसदी व जम्मू कश्मीर में महज 22 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी हो पायी है। दरअसल, हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में बताया था कि देश के महज 24 फीसदी सरकारी स्कूलों में ही इंटरनेट की उपलब्धता है। जिसमें बिहार की स्थिति सबसे खराब है जहां महज 5.8 फीसदी स्कूलों में ही इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। कमोबेश मिजोरम में 5.9 फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश में 8.8 फीसदी की उपलब्धता भी चिंताजनक स्थिति को दर्शाती है। इसी तरह ओडिशा में भी महज आठ फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट सेवा की उपलब्धता है। बड़े राज्यों में सबसे सुखद स्थिति केरल की बतायी जाती है जहां 94.5 फीसदी सरकारी स्कूल इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त हैं। इसी तरह गुजरात में भी 94.1 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि कोरोना संकट के दौरान देशव्यापी लॉकडाउन और अन्य संचार प्रतिबंधों के बीच सरकारी स्कूलों में शिक्षा का क्या हाल रहा होगा? छात्र-छात्राओं की पढ़ाई इन दो बाधित सालों में कितनी हो पायी होगी? वैसे भी इन सरकारी आंकड़ों को यदि सही मान भी लिया जाये तो सवाल उठता है कि इन सरकारी स्कूलों में कितने फीसदी शिक्षक इंटरनेट से शिक्षण के लिये दक्ष हैं? यह भी कि क्या कोविड महामारी जैसी आपातकालीन स्थितियों को एक नया अवसर बनाने में हम चूके हैं? यह मौका था कि हम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का भरपूर लाभ उठाकर सरकारी स्कूलों को इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने में जुट जाते। कहने को तो शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया था कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी यानी आईसीटी प्रयोगशालाओं के लिये एक हजार करोड़ रुपये व राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में स्मार्ट कक्षाओं के लिये 909.6 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। लेकिन देखने वाली बात यह है कि कितने स्कूलों को इसका लाभ मिला और वहां इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो पायी है। साथ ही शिक्षा मंत्री का यह भी कहना था कि दूरसंचार सुविधाओं में सुधार की जिम्मेदारी बीएसएनएल को दी गई है। यह बात पड़ताल की मांग करती है कि ये सरकारी प्रयास जमीनी स्तर पर कितने प्रभावी नजर आए हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि देश में शिक्षा जगत में विभाजन कितना गहरा हो चला है। एक तरफ पांच सितारा निजी स्कूल हैं, जहां धनाढ्य वर्ग, नीति-नियंताओं व संभ्रांत वर्ग के बच्चे पढ़ रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों में इंटरनेट जैसी मूलभूत जरूरत उपलब्ध ही नहीं है। निस्संदेह, सभी समस्याओं के मूल में गरीबी बड़ा कारण है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों का नैतिक दायित्व बनता है कि सरकारी स्कूलों को वैश्विक धारा के अनुकूल बनाने के लिये अविलंब इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध करायें। अन्यथा हम देश में पढ़े-लिखे निरक्षरों की फौज ही तैयार करेंगे। यही वजह है कि देश में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले बेरोजगार छात्र चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नौकरियों के लिये आवेदन करते नजर आते हैं। देश में स्वयंसेवी संगठनों, उद्योगपतियों तथा जिम्मेदार नागरिकों को सरकारी स्कूलों को मुख्यधारा में लाने के लिये अपना योगदान देना चाहिए।

सनातन संस्कृति के आदर्श श्रीराम

श्रीराम हमारे आराध्य हैं। वह सनातन संस्कृत के ध्वजवाहक हैं। राम सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम ही नहीं हमारे समग्र संस्कार में समाहित हैं। राम के बिना पूरी हिंदू संस्कृति अधूरी है। वह जीवन दर्शन हैं। श्रीराम हमारे संस्कार हैं। हमें सदसच्चरित्र देते हैं। अत्याचार से लड़ने की तागत देते हैं। विषम परिस्थितियों में भी जीवन को कैसे जिया जाय यह भी बताते हैं। श्रीराम के लिए धन, वैभव, यश, मान, सम्मान से कहीं अधिक ऊंचा उनका आचरण है। उन्हें सत्ता नहीं सदाचार प्रिय। वह हमेशा मर्यादा में रहना चाहते हैं और हर प्राणी के सम्मान की रक्षा चाहते हैं। वह प्रजारंजक हैं। उपकार और परोपकार उनका जीवन दर्शन है। इसलिए राम हमारे कण-कण में विराजमान है। श्रीराम को भगवान के रूप में पूजने के बजाय हम उन्हें लोक नायक के रूप में अधिक समझ सकते हैं। तभी हमारे लिए चौत रामनवमी की सार्थकता समझ में आएगी।

अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि और जीवन संस्कार है। हिंदू धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार अयोध्या सप्त पुरियों मथुरा, माया , काशी, कांची, अवंतिका और द्वारका में शामिल है। श्रीराम की नगरी अयोध्या को अथर्ववेद में भगवान की नगरी कहा गया है। अयोध्या के शाब्दिक विश्लेषण से पता चलता है कि अ से ब्रह्मा, य से विष्णु और ध से रुद्र यानी त्रिदेव का स्वरूप है अयोध्या। जहां ब्रह्मा, विष्णु और शंकरजी स्वयं विराजमान हैं। अयोध्या के कण-कण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बसे हैं। इसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का मौलिक स्वरूप माना जाता है। सरयू नदी के पावन तट पर बसी है अयोध्या। इसकी स्थापना महाराज मनु ने की थीं। इसे साकेत के नाम से भी जाना जाता है।

श्रीराम विकारों से मुक्त उत्तम और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी लिया उन्हें श्रेष्ठ मर्यादा का वाहक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वह धर्म, विवेक और आदर्श, के साथ मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक हैं। वह मनवता के धर्मप्राण हैं। अहंकार और अविवेक रहित हैं। वह क्रोध, पाप से बिलग हैं। वह समदर्शी हैं। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के लिए धर्म की ध्वज को कभी गिरने नहीं दिया। न्याय और धर्म को हमेशा शीर्ष पर रखा। पिता महराज दशरथ और माँ कैकैई के वचनों के अनुपालन में राजसत्ता और वनवास को त्याग दिया। प्रजा के भावनाओं को उन्होंने हमेशा सम्मान किया। अयोध्या की प्रजा कि तरफ से आशंका उठने पर माँ सीता को वनवास भेज दिया। श्रीराम लोक मर्यादा को कहीँ से भी भंग नहीं होने दिया। यहीं वजह रहीं कि वह लोकरंजक कहलाए। उन्हें प्रजारंजक कहा गया। राज्य विस्तार को उन्होंने सिरे से खारिज किया। लंका को जीत कर विभीषण का राजतिलक किया। बालि के कुकर्मों का अंतकर सुग्रीव को राजा बनाया

तो अंगद को युवराज। राक्षसों को वध कर दण्डकारण्य ऋषियों और मुनियों को दिया।

श्रीराम हिंदुत्व के ध्वजवाहक हैं। वह धर्म हैं, संस्कार हैं। संस्कृति हैं। श्रीराम हिंदुत्व के राग, रंग और संस्कार हैं।वह मानववता के आधार स्तम्भ हैं। उनका अवतार ही इस धरा पर धर्म के अवतार के रूप में हुआ। मानवता के कल्याण और समाज के आदर्शवाद के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा अयोध्या में धर्म को राज्य के नीति में शामिल किया।

श्रीराम की अयोध्या रघुवंशी राजाओं की बेहद प्राचीन राजधानी थी। यह यह कौशल की राजधानी थी। वाल्मीकि रामायण में अयोध्या 12 योजन लम्बी और 3 योजन चौड़ी बताई गई है। आईन-ए-अकबरी के अनुसार अयोध्या कि लंबाई 148 कोस तथा चौड़ाई 32 कोस मानी गई है। 'कोसल नाम मुदितरू स्फीतो जनपदो महान। निविष्टरू सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान' का उल्लेख है। अयोध्या के दर्शनीय स्थलों में हनुमान गढ़ी, रामदरबार, सीतामहल, राम की पैड़ी, गुप्त द्वार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण जैसे प्रमुख स्थल हैं। भगवान राम का जन्म चौत्र मास की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। कहते हैं कि 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई। अयोध्या का का शाब्दिक अर्थ है जहाँ कभी युध्द न हुआ हो अर्थात अ-युध्य अथार्थ 'जहां कभी युद्ध नहीं होता।

प्रभुनाथ शुक्ल

देश में हम रामराज्य स्थापित करना चाहते हैं लेकिन राम जैसा आचरण हम नहीं करते हैं। हम श्रीराम को वोट बैंक बना कर सिर्फ सत्ता साधना चाहते हैं। लेकिन हमें श्रीराम जैसा आचरण करने की भी जरूरत है। हम श्रीराम का नाम लेकर सत्ता में आ जाते हैं और अपने दलिए हितों के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संस्थाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि श्रीराम ने ऐसा कभी नहीं किया उन्होंने लोक मर्यादा के संरक्षण के लिए अयोध्या का राज सिंहासन भी त्याग दिया। परिवार में लोकतंत्र कायम करते हुए वनवास चले गए। हम नारों से रामराज्य नहीं ला सकते हैं। राजनीति में चाल, चरित्र और चेहरा बदलने की आवश्यकता है।

मीडिया में छाए रहे अतीक अहमद

लेखक-सनत जैन

सोमवार को मीडिया के सभी चौनलों में गैंगस्टर अतीक अहमद छाए रहे। साबरमती जेल से अतीक को नैनी जेल पहुंचाया गया है। सरकार ने करोड़ों रुपए अतीक अहमद को साबरमती जेल से नैनी जेल में पहुंचाने में खर्च कर दिए। सभी चौनल लाइव रिपोर्टिंग करते रहे ऐसा लग रहा था, कि भारत में अतीक अहमद से बड़ी कोई घटना नहीं है. छोटे बड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक चौनल में पल-पल की खबरें अतीक अहमद को लेकर प्रचारित की जा रही थी। गेंगस्टर अतीक अहमद का ईवेन्ट शो को लेकर जनसामान्य में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखी गई।

सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही दो बार बिना किसी कामकाज के तुरंत स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्य काली पोशाक पहनकर सदन के अंदर पहुंचे थे। विपक्ष जेपीसी गठित करने की मांग कर रहा था। सदन स्थगित होने के बाद संपूर्ण विपक्ष जब सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। जगह-जगह राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। उसकी खबर पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से गायब हो गई। जिस तरह से अतीक अहमद को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में लाने की लाइव कवरेज होती रही। उससे आम जनता का कौतूहल इस बात पर बना रहा, कि अतीक अहमद का कद इतना बड़ा हो गया। उसके सामने संसद भी छोटी हो गई है। साबरमती जेल से यदि स्पेशल प्लेन से भी अतीक अहमद को प्रयागराज लाकर नैनी जेल भेजा जाता, तो मुश्किल से 5 से 10 लाख रूपये सरकार के खर्च होते। लेकिन सरकार ने अतीक को प्रयागराज लाने में करोड़ों रुपए क्यों खर्च किए। यह लोगों की समझ में नहीं आ रहा है। 42 सुरक्षाकर्मी अतीक अहमद को सुरक्षित रूप से लाने के लिए पिछले 3 दिन से लगे हुए थे। इसमें आईपीएस अधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। दर्जनों गाड़ियों का काफिला अतीक अहमद के आगे पीछे चल रहा था। ऐसा लग रहा था, कि किसी वीवीआईपी का कोई रोड शो चल रहा है। अतीक के इस ईवेन्ट को देखकर छोटे-मोटे अपराधी भी अतीक बनने का सपना देख रहे होंगे।

सही है सरकार की, जिस पर कृपा हो जाए। वह रंक से राजा बन जाता है। अतीक अहमद को जिस तरह से सरकार ने हीरो की तरह बनाकर पेश किया है। आगे चलकर यह और बड़ा गैंगस्टर बनकर बाहर निकलेगा। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है, कि विपक्ष के प्रदर्शन को मीडिया में नहीं दिखाने का फरमान सत्तापक्ष की ओर से जारी किया गया था। दिन भर सभी चौनलों को अतीक अहमद के लाइव कवरेज को उपलब्ध कराया गया। उसके बारे में पूरी लिखी लिखाई स्क्रिप्ट सभी चौनलों में चलती रही। विपक्ष जरूर मीडिया से गायब रहा। संसद की कार्यवाही सदनों में 1 मिनट भी नहीं चली। विपक्ष बारे में किसी भी चौनल ने कोई उल्लेख और डिबेट नहीं की। सोमवार को सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर जेपीसी गठित करने की मांग की थी। सैकड़ों सांसदों ने सड़क पर प्रदर्शन किया। राहुल गांधी को घर खाली करने का नोटिस दिया गया। राहुल गांधी ने अभी तक सूरत कोर्ट से सुनाई गई सजा को, स्थगित करने के लिए किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की। राहुल गांधी ने संसद से सदस्यता समाप्त करने के खिलाफ भी कोई याचिका हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दायर नहीं की। कई और भी कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुई। लेकिन चौनल केवल अतीक अहमद के ही गुण गाता रहा। जन सामान्य के बीच में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। जनता अब यह कहने लगी है, कि एक अपराधी को लाने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए साबरमती से नैनी जेल तक पहुंचाने में खर्च कर दिए। इसके पीछे सरकार का कोई बड़ा कारण रहा होगा, तब सरकार ने यह किया है। अन्यथा उसे अहमदाबाद से प्रयागराज हवाई जहाज से लाकर कोर्ट में पेश किया जा सकता था। जनता के टैक्स को सरकार किस तरह खर्च करती है। इसका बड़ा उदाहरण है।

अब राजनीतिक मतलब जनसेवा नहीं... सिर्फ सत्ता....?

क्या हमारे देश के राजनीतिक पुरखों को इस बात का अंदाजा था कि आजादी के 75 साल में ही राजनीति या प्रजातंत्र की परिभाषा बदल जाएगी? आज तो देश में प्रजातंत्र है, वह जनता का, जनता के लिए, व जनता द्वारा वाला प्रजातंत्र नहीं है, बल्कि आज का प्रजातंत्र नेता का, नेता द्वारा, और नेता के लिए प्रजातंत्र है, इसलिए इसे प्रजातंत्र की जगह यदि नेतातंत्र कहा जाए तो कतई गलत नहीं होगा और इस नए तंत्र का उद्देश्य जनसेवा नहीं केवल सत्ता और सत्ता है, जो किसी भी वाजिब या गैर-वाजिब तरीके से हासिल करना हो गया है।

साथ ही यदि यह भी कहा जाए कि आज की राजनीति में सत्ता की अवधि 5 साल से घटकर तीन या साढ़े तीन साल रह गई है तो भी गलत नहीं होगा, क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा सत्ता हथियाने के बाद उसे सत्ता को समझने और उसे अपने अनुकूल बनाने और अपने मोहरे फिट करने में प्रारंभिक एक साल तो लगता ही है और फिर सत्ता की लूट का सिलसिला चलता है और जब अगले चुनाव का महज एक या डेढ़ साल शेष ही रहता है, तब सत्ताधीशों को अपनी सत्ता को दीर्घ जीवी बनाने की चिंता सताने लगती है और वह उसी में संलग्न हो जाते हैं, अर्थात 5 साल के कार्यकाल में 1 साल मोहरे फिट करना दूसरे, तीसरे साल लूट और शेष डेढ़ साल में सत्ता की दीर्घायु के प्रयास। अब इसी कारण इन 5 सालों की अल्पावधि में बेचारे सत्ताधीशों को जनसेवा के लिए समय ही कहां मिल पाता है? इसी कारण आज देश की आम जनता वैसे ही है जैसे आजादी के समय थी?

पर, हां यहां इस रहस्य का उद्घाटन जरूरी है कि आज के राजनेता देश के आम वोटर को उतना ही अज्ञानी, मासूम और अशिक्षित समझते हैं, जितना वे आजादी के वक्त समझते थे, यही उनकी सबसे बड़ी भूल है, सही बात तो यह है कि आज का वोटर काफी जागरूक, शिक्षित और समझदार हो गया है, लेकिन इसके बावजूद वह स्थिति-परिस्थिति और माहौल को ठीक से समझ कर मतदान क्यों नहीं करता? यही एक आश्चर्यजनक सवाल है, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि आज भी आम मतदाता किसी भी राजनीतिक प्रलोभन से प्रभावित होकर वोट नहीं डालता, वह अपना फैसला सही ही करता है, किंतु यदि मतदाता के सामने वोट के लिए विकल्प का अभाव हो तो वह क्या करें? शायद इसी कारण अब नोटा पर वोटों की संख्या में इजाफा हो रहा है?

ओम प्रकाश मेहता

वैसे 2019 के आम चुनाव के बाद एक विस्तृत सर्वेक्षण सामने आया था, जिसमें कहा गया था कि आज की चुनावी पद्धति से ही आम मतदाता का विश्वास खत्म हो रहा है, चुनाव आयोग से अपेक्षा भी की गई थी कि वह चुनावी पद्धति में समय का आवश्यकता के अनुरूप सुधार करें, जिससे कि चुनावों को और अधिक निष्पक्षता प्रदान की जा सके? मौजूदा केंद्र सरकार ने भी इस सुझाव के मद्देनजर आवश्यक आश्वासन दिया था, किंतु उस आश्वासन का आकार साक्षात रूप से अभी तक सामने नहीं आया है, जबकि अब अगले चुनाव में 1 साल ही शेष बचा है?

अब यह सब हमारे प्रजातंत्र की कड़वी सच्चाईयां है, जो हमारे सामने हैं, हम इसके भुक्तभोगी भी हैं, किंतु हम इस दिशा में छटपटाने के अलावा कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं, और ना ही हमारी अगली पीढ़ी से ही ऐसी कोई अपेक्षा है?

सवाल पूछने का हक और जवाब की मर्यादा

विश्वनाथ सचदेव

उस दिन अचानक सोशल मीडिया पर एक 'रील' दिख गयी थी। मुश्किल से एक-दो मिनट की इस रील में प्रधानमंत्री मोदी से कुछ पत्रकार सवाल पूछते दिख रहे थे। पत्रकार सवाल पूछते, प्रधानमंत्री सवाल सुनकर चुपचाप मुंह फेर लेते। यह तो पता नहीं चल पाया, यह वीडियो किस अवसर का था, पर इसमें कुछ अस्पष्ट नहीं था कि प्रधानमंत्री पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं देना चहते थे, या फिर यह भी संभव है कि वे उन सवालों को उत्तर देने लायक नहीं समझ रहे थे। जिस तरह सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार है, वैसे ही उत्तर देने, न देने का अधिकार उसे भी है जिससे सवाल पूछा जा रहा है। लेकिन, एक फर्क है दोनों स्थितियों में। यदि किसी नेता से उसके कहे-किये के बारे में कुछ पूछा जा रहा है तो उसका मौन रह जाना कुछ और सवाल भी खड़े कर देता है। उचित तो यही है कि राजनेता पूछे गये सवालों के ईमानदारी से जवाब दें। पर अक्सर ऐसा होता नहीं।

समझदार राजनेता जब चाहते हैं, सवाल टाल जाते हैं। इस तरह टाल जाना भी एक कला है। भले ही कितना भी अनुचित लग रहा हो, सोशल मीडिया वाले उस वीडियो में प्रधानमंत्री का चुप्पी साध लेना इसी कला का एक प्रदर्शन था। पर विपक्ष के एक नेता राहुल गांधी ऐसी कला का प्रदर्शन नहीं कर पाये। एक प्रेस-वार्ता में जब एक पत्रकार ने उनसे एक सवाल पूछा तो उन्होंने जवाब देने के बजाय उस पत्रकार की नीयत पर ही सवाल उठा दिया। उसे सत्तारूढ़ दल का सदस्य या चमचा बताते हुए उसकी 'हवा निकाल दी'। अनावश्यक था राहुल गांधी का इस तरह पत्रकार पर आरोप लगाना या फिर हवा निकाल देने जैसी बात कहना। राहुल गांधी का यह व्यवहार अनुचित भी था, और अप्रिय भी।

राहुल गांधी से यह पूछा गया था कि भाजपा द्वारा उन्हें 'अन्य पिछड़े वर्ग' का शत्रु करार दिये जाने पर उन्हें क्या कहना है। पत्रकार ने भाजपा के हवाले से यह बात पूछी थी, यह सही है, पर ऐसी किसी बात से इस सवाल का कोई रिश्ता नहीं था कि जवाब देने के बजाय पत्रकार पर किसी राजनीतिक दल का एजेंट होने का आरोप लगाया जाये। और कहा जाये, 'क्यों, हवा निकल गयी (ना)?'

नेताओं की जुबान का फिसलना कोई नयी बात नहीं है। कई बार कुछ शब्द निकल जाते हैं मुंह से। पर संभाल भी लेते हैं ऐसी स्थिति को। अपनी गलती भी स्वीकार कर लेते हैं। राहुल गांधी भी चाहते तो हंसकर शब्द वापस ले सकते थे। उन्हें यही करना चाहिए था। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। गलत था यह। पर उस प्रेस-वार्ता में एक और गलत बात भी हुई, अनेक वरिष्ठ पत्रकार थे उस प्रेस-वार्ता में। उन में से किसी ने भी राहुल गांधी से यह नहीं पूछा, या उन्हें नहीं कहा कि उनका यह व्यवहार अनुचित है कि हवा निकाल देने जैसी बात उन जैसे राजनेता के मुंह से शोभा नहीं देती, कि उन्हें अपने कहे पर खेद प्रकट करना चाहिए।

आज जब यह लिख रहा हूं तो मुझे लगभग आधी सदी पुरानी एक घटना याद आ रही है। तब मैंने पत्रकारिता में प्रवेश किया ही था। लखनऊ की बात है। प्रखर समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया की एक प्रेस-वार्ता में मुझे अपने अखबार 'नेशनल हेरल्ड' से भेजा गया था। वहां कुछ ऐसा पूछ लिया था मैंने जिस पर डॉ. लोहिया कुछ भड़क-से गये। देश के वरिष्ठ और सम्माननीय नेता का 'गुस्सा' देखकर मुझ जैसे नये पत्रकार का सहम जाना स्वाभाविक था। मेरे पास में ही स्टेट्समेन के एक वरिष्ठ पत्रकार बैठे थे। मेरा सहमना उन्होंने भी देखा होगा। मेरा बचाव करते हुए उन्होंने लोहिया जी से कहा था, 'नाराज क्यों हो रहे हैं लोहिया जी, युवा पत्रकार के सवाल का जवाब दीजिए न?' डॉ. लोहिया तत्काल नरम पड़ गये थे। मुस्कराने लगे। और बड़े इत्मीनान से उन्होंने पूछे गये सवाल का जवाब दिया।

मैं सोच रहा हूं, राहुल गांधी की प्रेस-वार्ता में किसी पत्रकार ने उनसे क्यों नहीं कहा कि उनकी बात, उनका व्यवहार उचित नहीं है? भाजपा वाले भले ही कुछ कहते रहें, पर अब राहुल गांधी परिपक्व नेता हो चुके हैं, भारत-जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने अपना क्षमता कई बार प्रमाणित की है। उक्त प्रेस-वार्ता में यदि कोई पत्रकार उन्हें संकेत देता तो शायद वे हवा निकालने जैसी बात कहने पर खेद भी व्यक्त करते।

सुना है, अब कुछ पत्रकार संगठनों ने, जिनमें मुंबई प्रेस क्लब भी शामिल है, राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाया है। जनता का अधिकार है उनसे यह पूछने का कि ओबीसी-विरोधी होने के आरोप के बारे में उन्हें क्या कहना है। वैसे भी, राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से उन्हें यह बात स्पष्ट करनी ही चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा के नेताओं ने कुछ शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है और फायदा उठाया भी है।

बहरहाल, यह मुद्दा कुछ गलत शब्द बोलने न बोलने तक ही सीमित नहीं है। मुद्दा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी है, और जनतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का भी। समाचारपत्र या मीडिया जनतंत्र के चौकीदार हैं, वे सत्ता-संरचना का हिस्सा बनकर नहीं रह सकते। सवाल पूछना मीडिया का दायित्व है, भले ही सत्ता-प्रतिष्ठान या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए सवाल कितना भी असहज करने वाला क्यों न हो। हो सकता है कि मीडिया में भी कुछ तत्व ऐसे हों जो सवाल पूछने के अपने कर्तव्य और अधिकार का गलत लाभ उठाना चाहें, पर ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने वालों को इस बारे में सतत जागरूक रहना होगा कि उनकी स्वतंत्रता और अधिकारों का हनन कोई न करे। राजनेताओं का कुछ भी बोल देना, अथवा अवमाननापूर्ण चुप्पी साध लेना, जनतंत्र के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही नहीं, जनतांत्रिक मूल्यों का अपमान करना भी है।

यहीं इस बात को भी समझना जरूरी है कि आज हमारी पत्रकारिता भी विश्वसनीयता के संकट से जूझ रही है। पत्रकारिता में ऐसे तत्वों की भी कमी नहीं जो दल-विशेष या विचारधारा-विशेष के हितों के लिए काम कर रहे हैं। पर इसका अर्थ यह भी नहीं है कि सिर्फ इसीलिए हम समूची पत्रकारिता को कटघरे में खड़ा कर दें। दूसरे, पत्रकारों को भी इस बात को समझना होगा कि उनकी सतत जागरूकता ही उनकी ताकत है। इस ताकत को बनाये रखना जरूरी है और यह काम पत्रकारों की अपने पेशे के प्रति वैयक्तिक निष्ठा से ही हो सकता है। एक साहस की आवश्यकता होती है इसके लिए। पत्रकार में यह साहस बना रहे, तभी पत्रकारिता सार्थक हो सकती है।

दक्षिण अफ्रीका से दूसरे चरण में आ रहे चीतों के रहने की तैयारियों में जुट गया वन विभाग

माही की गूंज, मंदसौर।

श्योपुर जिले के कूनो अभयारण्य में नामीबीया व अफ्रीका से लाए चीते छोड़ने के बाद अब दूसरे चरण की तैयारी शुरू हो चुकी है। अफ्रीका से दूसरे चरण में लाए जाने वाले चीतों को अब मंदसौर के गांधीसागर अभयारण्य में बसाया जाएगा। इसके लिए वन विभाग ने तैयारी भी शुरू कर दी हैं। अभी चीतों के लिए बाड़े बनाए जा रहे हैं। इसके लिए सोलर पावर्ड इलेक्ट्रिक फेंसिंग की जाएगी। बताया जा रहा है कि, दक्षिण अफ्रीका से शुरुआत में गांधीसागर में तीन नर व पांच मादा चीते लाने की तैयारी की जा रही है। भोपाल से संकेत मिलने के बाद वन विभाग आवश्यक व्यवस्थाएं करने में जुट गया है।

अभी यहां बाड़े बनाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों ने टेंडर काल किए हैं। इन बाड़ों के चारों तरफ जो फेंसिंग लगाई जाएगी उसमें हल्का करंट भी रहेगा, ताकि दूसरे जंगली जानवर शुरूआत में चीतों को परेशान नहीं कर सके। यह सभी फेंसिंग सोलर उर्जा से चार्ज रहेगी, ताकि बिजली की लाइन भी नहीं बिछाना होगी। बाड़े बनने का कार्य जितनी जल्दी से होगा। चीते लाने का कार्य भी उतनी ही जल्दा होगा। दक्षिण अफ्रीका से दूसरे चरण में चीते जल्दी ही लाने की योजना पर भारत सरकार तेजी से कार्य कर रही हैं।

विशेषज्ञों का दल पहले ही बता चुके हैं चीतों के लिए अनुकूल

गांधीसागर अभयारण्य में विभागीय अमले के साथ विशेषज्ञों की टीम भी आ चुकी है। देहरादून के भारतीय वन्य जीव संस्थान से आए विशेषज्ञ पहले ही गांधीसागर अभयारण्य में घास के मैदान को चीतों के लिए अनुकूल बता चुके हैं। अब यहां चीतों के भोजन के लिए नरसिंहगढ़ से चीतल लाने का कार्य डेढ़ साल पहले ही शुरू किया गया था। अभी तक नरसिंहगढ़ से लाकर 266 चीतल छोड़े गए थे। अब इनकी संख्या 400 से ज्यादा हो गई है।

38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैला गांधीसागर अभयारण्य

मंदसौर जिले के साथ ही राजस्थान के चित्तौड़ व कोटा जिले से भी लगा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एक वर्ष पूर्व यहां का निरीक्षण करने आए देहरादून के भारतीय वन्य जीव संस्थान के विशेषज्ञों ने इसे काफी पसंद किया था। उनका कहना था कि चंबल नदी से सटा होने के साथ घास वाले मैदानों में चीते के दौडने के लिए पर्याप्त स्थान है। प्राकृतिक संसाधनों पहाड़, घास के मैदान, ऊंचे पेड़, छोटी झाडियां, कंदराएं, गुफाएं सहित पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अभयारण्य में सभी वन्य प्राणियों व पक्षियों के लिए अनुकूल वातावरण है। हालांकि प्रथम चरण में गांधीसागर के बजाय कूनो को प्राथमिकता मिली थी। अब दूसरे चरण में अफ्रीकन चीते बसाने की योजना के तहत गांधीसागर को चुना गया है। 368 वर्ग किमी में अरावली पर्वत शृंखलाओं के बीच में बसे गांधीसागर अभयारण्य में वह सभी कुछ है, जो वन्य प्राणियों के लिए चाहिए।

13 से 15 घंटे का रहता है रोजा

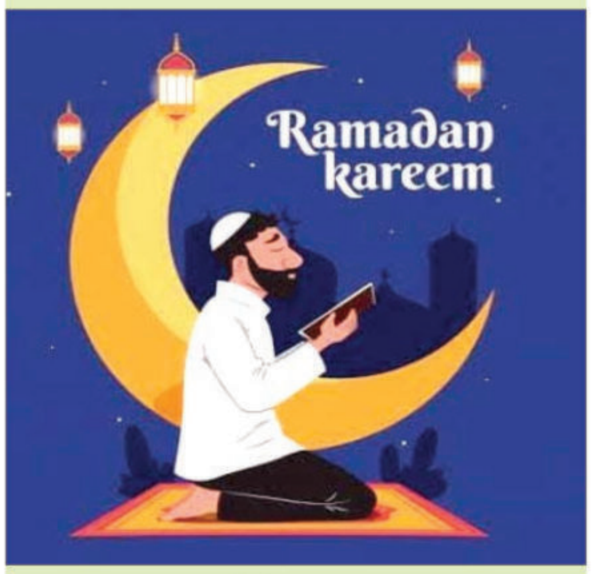

माही की गूंज, मंदसौर।

मुस्लिम समुदाय रमजान के महीने को पवित्र मानता है। इस पवित्र महीने की शुरुआत चांद देखने के बाद से होती है। रमजान का महीना कभी 29 दिन का तो कभी 30 दिन का होता है। रमजान के प्रारंभ होते ही मुस्लिम लोग रोजा रखना शुरू कर देते हैं। 24 मार्च से यह पाक महीना शुरू हो गया है। रमजान में हर मुसलमान के लिए रोजा रखना अनिवार्य माना गया है। रोजा की शुरुआत सुबह सहरी के साथ होती है और फिर शाम में इफ्तार करके रोजा खोला जाता है। माना जाता है कि, रमजान की शुरुआत चांद दिखने के अगले दिन से होता है। सहरी रोजे की शुरुआत सुबह सूरज निकलने से पहले फज्र की अजान से पहले खत्म हो जाती है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, रमजान माह में सूर्य उगने से पहले खाना खाया जाता है। इसे सहरी नाम से जाना जाता है। सहरी करने का समय पहले से ही निर्धारित कर दिया जाता है।

इफ्तार दिनभर बिना खाए-पिए रोजा रहने के बाद शाम को मगरिब की अजान होने पर खोला जाता है। इसी को इफ्तार नाम से जाना जाता है। इसके बाद से सुबह सहरी से पहले व्यक्ति कुछ भी खा पी सकता है। रोजे का समय लगभग 13 से 15 घंटे का रहता है। जिसमे मुस्लिम समुदाय के लोग बिना कुछ खाए पिए रहते है। बोहरा समाज में भी यही नियम है, बोहरा समाज के रमजान मुस्लिम समाज से एक या दो दिन पहले शुरु हो जाते हे।

32 वर्षों से जिले के लिए अपेक्षित गरोठ

माही की गूंज, मंदसौर।

आगामी चुनाव में मात्र 7 माह शेष हे। विगत 32 वर्षों से लबितं माग गरोठ जिला बनाया जावे की मांग आज तक पुरी नहीं हुईं। अभी हाल ही में प्रदेश सरकार ने एक ओर नये जिले की घोषणा कि पर गरोठ की फिर भी उपेक्षा हुई ओर सात माह में लग नहीं रहा कि गरोठ जिला मुर्त रुप ले लेगा। यह प्रमुख मुद्दा सत्ता दल भाजपा के लिए आगामी चुनाव में मुश्किल पैदा कर सकते हैं। गरोठ जिला बनाने को लेकर कई राजनेतिक पार्टियों द्वारा वादे किए जाते हैं। मगर 32 साल में कोई भी जिला नहीं बना पाया। आमजन भी वर्तमान जिला की दूरी को को लेकर परेशान हैं। अगर भाजपा को 2023 में आम मतदाताओं के रोष को कम करना हे तो चुनाव पुर्व हर हाल में गरोठ जिला बनाना होगा।

किसान की बेटी ने जिता गोल्ड मेडल

माही की गूंज शाजापुर।

किसान की बेटी रानी नायक ने वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में बेंगलुरु कर्नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त कर शहर और अपने पिता व परिवार का नाम रोशन किया है। रानी नायक का शाजापुर में बड़े ही धूमधाम के साथ रेवा शिव के द्वारा जुलूस भी निकाला गया और शाजापुर आते ही मां राजराजेश्वरी के मंदिर पर फूलों से स्वागत भी किया गया। रानी नायक ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि, मैंने राष्ट्रीय नेशनल वूमेन रैंकिंग में गोल्ड मेडल जीता है और वेटलिफ्टिंग में रानी ने बताया कि, उनके कोच लीलाधर पाल का मुझको सहयोग रहा हैं। उनकी मृत्यु हो चुकी है. उनका मुझ को यहां तक पहुंचाने में बहुत ही सहयोग रहा हैं। मैं जो भी सीखी हूं उनसे ही सीखी हूं, रानी नायक ने कहा कि, मुझ पर मेरे पिताजी का और मेरे घर वालों का बहुत ही सपोर्ट रहा है. उन्होंने हर वक्त मुझे प्रोत्साहित किया है।

108 के स्टॉफ ने एम्बुलेंस मे ही करवाया सुरक्षित प्रसव

माही की गूंज सीतामऊ।

भूली बाई पति जानकीलाल 22 वर्ष बिशनिया निवासी को प्रसव पिडा होने पर सीतामऊ थाने की 108 को काल किया। सूचना मिलने पर सीतामऊ थाने की 108 एम्बुलेंस महिला को लेने तुरंत पुहच गई ओर महिला को लेकर सीतामऊ जा रही थी कि बीच रास्ते मे महिला को प्रसव पीड़ा अधिक होने लगी। महिला की स्थिति देखकर 108 मे मौजूद ट्रेन्ड स्टॉफ इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन आशीष शर्मा और पायलेट 'बाबू राव कुमावत'ने गाड़ी रास्ते में ही रोक कर महिला का प्रसव कराने का निर्णय लिया और महिला का एम्बुलेंस मे ही सुरक्षित प्रसव कराया। महिला ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया महिला और बालक दोनो स्वस्थ और सुरक्षित है। बाद मे दोनो को सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतामऊ मे भर्ती कराया गया।

श्रीमद् भागवत कथा के साथ की भैरव महाराज की स्थापना

माही की गूंज, शाजापुर।

कीरपुरा हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन श्रद्धालु आनंद लेते झुमते नजर आए। कीरपुरा से लगे हुए चिराटिया, देवली, टेकरी, खंडाखेडी एवं बंजारी आदि गांवों के सहयोग से भंडारे के आयोजन के साथ कीरपुरा में भैरव बाबा की स्थापना एवं संत श्री सत्यनारायण शास्त्री के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कराया गया।

कार्यक्रम में शिरकत करते हुए श्री कुबेर राज गौ सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं कीर समाज के गौरव, धर्मशाला अध्यक्ष तेजू बाबा ने कथावाचक गुरुदेव के समक्ष श्रद्धालुओं को मंच से संबोधित करते हुए नशामुक्त रहने की बात कही, उन्होंने कहा कि जीवन मे एक बार गौ सेवा के कार्य में अपनी भागीदारी अवश्य दें।

मोना सुस्तानी भाजपा में शामिल

माही की गूंज, राजगढ़ ब्यावरा।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मोना सुस्तानी ने पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। मोना सुस्तानी भोपाल में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में बीजेपी में शामिल हुई।

मोना सुस्तानी पूर्व विधायक गुलाब सिंह सुस्तानी की बहू हैं, वो जिला कांग्रेस के अध्यक्ष, एमपी एग्रो के चेयरमैन के साथ दो बार राजगढ़ ब्यावरा की विधायक भी रह चुकी है। मोना सुस्तानी कांग्रेस में कई पदों पर रहने के साथ ही साल 2019 में राजगढ़ संसदीय सीट से सांसद प्रत्याशी भी रही है, राजगढ़ व उसके आसपास के क्षेत्रों में बाल विवाह और नातरा कुप्रथा को लेकर बड़े स्तर पर अवेयरनेस अभियान चलाने के लिए भी मोना सुस्तानी काफी चर्चित रही है। बताया जा रहा है कि बीजेपी, मोना सुस्तानी को विधानसभा चुनाव से पहले संगठन या सत्ता में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है।

वाहन गिरोह के 4 चोर गिरफ्तार, 4 बाईक जप्त

माही की गूंज, मंदसौर। बाईक चोर गिरोह के चार चोर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 मोटर बाईक किमत 2 लाख रुपये की चोरी गये वाहन बरामद करने थाना शामगढ पुलिस को बडी सफलता मिली । 26 मार्च 2023 को फरियादी द्वारा चौकी पर उपस्थित होकर ग्राम बरखेडा नायक से अपने मोटर सायकल बजाज सीटी 100 एमपी एमएल 6811 चोरी होने के संबंध में रिपोर्ट करने पर थाना शामगढ पर अपराध क्रमांक 117/2023 धारा 379 भादवि का अपराध अज्ञात आरोपी के विरुध्द पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया । चोरी मोटर सायकल की पतारशी हेतु चौकी प्रभारी चंदवासा व्दारा एक पुलिस टीम गठीत कर तलाश हेतु रवाना किया गया जो उक्त टीम को मुखबीर व्दारा प्राप्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए 04 आरोपीयो को गिरफ्तार कर चारो आरोपीगणो के कब्जे से 04 मोटर सायकल वाहन जप्त करने मे सफलता हासिल की। आरोपीगणो के कब्जे से मोटर सायकल बजाज कम्पनी की सीटी -100 रजि. क्र. एमपी एमएल 6811, मोटर सायकल बजाज कम्पनी की 4 एस रजि. क्र. आरजे 33 एम 2098, लाल रंग की मोटर सायकल हिरोहोण्डा कम्पनी की विना नम्बर की जिसके चैचिस नम्बर एमबीएलएचए11ईई89डी08837 है, एक काले लाल रंग की हिरो कम्पनी की मोटर सायकल एचएफ डिलक्स बिना नम्बर की जिसके चैचिस नम्बर घिसे हुए थे को जप्त किया गया। पुलिस कार्रवाई में मुकेश पिता बालकिशन राठौर उम्र 30 वर्ष निवासी बालोदा थाना गरोठ, नवीन पिता राजु व्यास उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बालोदा थाना गरोठ, धीरजसिंह पिता पर्वतसिंह जाति राजपुत उम्र 21 वर्ष निवासी बालोदा थाना गरोठ, राजुसिंह पिता रामसिंह राजपुत उम्र 27 वर्ष निवासी बालोदा थाना गरोठ को गिरफ्तार किया गया।

बकाया बिलो की वसुली कर रहा बिजली विभाग, नगदी जमा नही होने पर जब्त कर रहे संसाधन

माही की गूंज शाजापुर।

जिले में लगातार बिजली वितरण कंपनी के द्वारा कार्रवाई की जा रही है।. बकायेदारों पर कंपनी शिकंजा कसते हुए नजर आ रही है। थोड़े दिन पहले भी शाजापुर के मोहन बड़ोदिया में बिजली विभाग कंपनी द्वारा ऐसे ही कार्रवाई की गई थी। जिले के शुजालपुर में लगातार बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बकाया बिजली बिल होने के कारण ग्रामीणों से वसूली की जा रही है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 51 करोड़ का बकाया वसूलने के लिए अभियान चलाकर मार्च माह में अब तक 257 किसानों के दो ट्रैक्टर, 10 फ्रीज-कूलर, 50 टीवी-पंखे एवं 171 बाईक, 30 मोटर पंप जप्त किए हैं। वहीं सुजालपुर उप संभाग में बिजली कंपनियां कुल 1,16,000 घरेलू, सिंचाई व व्यवसाय उपभोक्ता है जिन से लगभग 51करोड़ 35 लाख का बिल बकाया है।

कई बार बिजली कंपनी के द्वारा उपभोक्ताओं को सूचना पत्र भी दिए गए, लेकिन उपभोक्ताओं ने उस पर ध्यान नहीं दिया। ऐसे में अब बिजली वितरण कंपनी के द्वारा लगातार शुजालपुर के आसपास ग्रामीण क्षेत्र में वसूली की जा रही है। जिसमें ग्रामीणों से जब्ती के रूप में बाईक, ट्रैक्टर एवं अन्य प्रकार की चीजें जब्त की जा रही है।

बिजली कंपनी के कार्यपालन मंत्री राजीव पटेल ने बताया कि, घरेलू उपभोक्ताओं पर 35 करोड़ सिंचाई उपभोक्ताओं पर 6 करोड़ 33 लाख व अन्य व्यवसायिक उपभोक्ताओं पर 10 करोड़ का बकाया है।

गांवों में जाकर अधिकारी कर रहे वसूली

एक तरफ शिवराज सरकार किसानों के बिल माफ करने की बात करती है तो दूसरी ओर कंपनी किसानों की चीजें जब्त की रही है. चुनाव आते ही सुर बदल जाते हैं, वैसे ही शिवराज सरकार के द्वारा भी किसानों के हित में कई वादे एवं बातें की गई थी. लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और ही नजर आ रही है. लगातार शाजापुर जिले के कई गांव में बिजली वितरण कंपनी के द्वारा किसानों के बकाया बिल को लेकर वसूली तेजी पर है. अधिकारी ग्रामीणों से वसूली करने के लिए गांव-गांव किसानों के घर पहुंच रहे हैं और अधिकारियों को घर पर जो मिल रहा है वह जब्ती में ले रहे हैं.

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया बिजासन माता मंदिर में दर्शन

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग एवं पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने मंगलवार को सेंधवा के बिजासन माता मंदिर में दर्शन कर, जिले वासियो के सुख-समृद्धि की कामना की ।

इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अष्टमी एवं रामनवमी के मददेनजर मंदिर प्रांगण में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होने मंदिर समिति के पदाधिकारियो को निर्देशित किया कि अष्टमी एवं रामनवमी पर बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के श्रद्धालु आते है । अतः कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की जाये । जिससे सभी श्रद्धालुओं को सुविधाजनक ढंग से दर्शन हो सके ।

इस दौरान उन्होने पार्किंग व्यवस्था, बैठक व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नवागत पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, सेंधवा एसडीएम श्री अभिषेक सराफ सहित राजस्व व पुलिस विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे ।

माता जी के विरसजन में खिचड़ी खाने से बड़ी संख्या में हुई फूड पॉयजनिंग

माही की गूंज, खरगोन। बृजभूषण दसोदी

जिले के ऊन में गणगौर उत्सव के दौरान माता के विसर्जन के आयोजन में साबूदाने की खिचड़ी खाने से 65 लोग फूड पॉयजनिंग के शिकार हो गये। एक साथ बडी संख्या मरीजो की खबर मिलने से हडकंप मच गया। ग्रामीणों ने गांव में फूड पॉयजनिंग की जानकारी कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा को दी। कलेक्टर के निर्देश पर सीएमएचओ डीएस चौहान डाक्टरो की टीम के साथ ऊन पहुंच गये। उल्टी दस्त के शिकार करीब 65 मरीजो में से 35 मरीज की देर रात में ही उपचार के छूट कर दी गई। 15 बीमार लोगो का ऊन के अस्पताल में ईलाज किया जा रहा है। वही 15 लोगो को ईलाज के लिए खरगोन के जिला अस्पताल लाया गया। सभी की हालात स्थिर बताई जा रही है। मौके पर तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गये। बताया जा रहा है की ऊन में गणगौर उत्सव के दौरान माता का विसर्जन था इस दौरान साबूदाने की खिचडी का स्टाल लगाया गया था। साबूदाने की खिचडी खाने के करीब एक घन्टे बाद ग्रामीण जिसमे बडी संख्या में बच्चे भी शामिल थे फूड पॉयजनिंग का शिकार हो गये। उल्टी दस्त के शिकार खरगोन जिला अस्पताल में भर्ती ग्रामीण इन्दू प्रजापत ने मीडिया को बताया की गणगौर विसर्जन के दौरान साबूदाने की खिचडी खाई थी। अचानक उल्टी दस्त होने लगे। करीब 65 लोग फूड पॉयजनिंग के शिकार हुए। खिचडी के कारण ही उल्टी दस्त हो रहे है। इधर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ अमरसिह चौहान ने मीडिया को बताया की ऊन में फूड पॉयजनिंग की शिकायत के बाद जिला अस्पताल में 15 मरीजो को लाया गया। उपचार के बाद सभी की हालात स्थिर है। ऊन में 15 मरीज भर्ती है। करीब 35 मरीज की छुट्टी कर दी गई है। मरीजो में बच्चे भी शामिल है। करीब 65 मरीज फूड पॉयजनिंग के शिकार हो।

7 दिनों में कमियों का पूरा करें, फिर होगा वेतन आहरण- कलेक्टर

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा स्वास्थ्य मापदंडों पर खरा उतरते हुए अव्वल बने रहने की आदत बनाएं। साथ ही सीएमएचओ, सिविल सर्जन, बीएमओ और डीपीएम को अमले पर नियंत्रण और खास तौर पर निगरानी करने के भी निर्देश जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए। इसके अलावा बैठक में प्रस्तुत डेटा में जो कमियां है उनको 7 दिनों में पूर्ण कराएं इसके बाद ही वेतन आहरण करें। अनमोल पोर्टल के अलावा विभागीय पोर्टल पर एएनसी रजिस्ट्रेशन, तिमाही जांच, 4 थी जांच पंजीयन तथा मोडरेट एनिमिक माताओं की इंट्री करने में कई कमियां पायी गई। पहली तिमाही में एएनसी जांच में भीकनगांव ने 2884, गोगांवा ने 2014 और झिरन्या द्वारा सबसे कम 1426 रजिस्ट्रेशन किया। बीएमओ झिरन्या पर नाराजगी व्यक्त की गई। कमी पाये जाने पर उनके स्तर से एएनएम या बीपीएम या जिम्मेदार पर की गई कार्यवाही के सम्बंध में बीएमओ को जवाब नहीं दे सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा, सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान, सिविल सर्जन डॉ. अमरसिंह चौहान, सभी बीएमओ, महिला एवं बाल विकास की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रत्ना शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी हेमेंद्र वडनेरकर और विभाग के बीपीएम व बीसीएम उपस्थित रहे।

कुपोषित बच्चों में सुधार के लिए पहले अध्ययन करेगा विभाग, फिर प्रारम्भ होगा नवाचार

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि बड़वानी में एनआरसी में आने वाले बच्चों को ड्राय फ्रूट के अलावा आवश्यक पौष्टिक सामग्री प्रदान की जाती थी। साथ ही वहां निगरानी और रिपोर्टिंग सिस्टम भी बनाया गया था। उसके अनुरूप अध्ययन करें। इसके बाद खरगोन में भी यहां की व्यवस्थाओं और आवश्यकताओं को देखते हुए नवाचार प्रारम्भ किया जाएगा। जिले की 9 विकासखंडों में एक साथ नहीं हो सके तो पहले झिरन्या और भगवानपुरा में करके देखा जाएगा।

पहाड़ी प्रसव केंद्रों पर डिलेवरी की बेहतर स्थिति

बैठक के दौरान प्रसव केंद्रों पर डिलेवरी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिले में 16 क्रियाशील प्रसव केंद्रों में सिरवेल में 380, पिपलझोपा में 251,रायलबेडा में 237,चिरिया में 208 डिलेवरी हुई। जबकि मुलथान में 26, मोहना में 60, पिपलगोंन में 79 डिलेवरी हुई है। बैठक के दौरान सिकलसेल अनीमिया, मातृ व शिशु मृत्यु दर, पोषण पुनर्वास केंद्र,राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण, टीकाकरण आदि विषयों की समीक्षा की गई।

30 मार्च से 3 अप्रैल तक मंडी बंद

माही की गूंज, खरगोन। 30 मार्च गुरूवार से 3 अप्रैल सोमवार तक यानी 5 दिवसों तक कपास व अनाज नीलामी का कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 मार्च सोमवार को रामनवमी, 31 मार्च व 1 अप्रैल को बैंकों का वार्षिक लेखाबंदी होने, 2 अप्रैल को रविवार व 3 अप्रैल को महावीर जयंती होने से मंडी में कपास व अनाज नीलामी का कार्य बंद रहेगा। वहीं मंडी व्यापारियों ने भी अवकाश के दिनों में कपास व अनाज नीलामी के कार्य में भाग नहीं लेने का आवेदन प्रस्तुत किया है। मंडी सचिव ने समस्त किसान बंधुओं से आग्रह किया है कि अवकाश के दिनों में अपनी कृषि उपज विक्रय के लिए मंडी प्रांगण में ना लाए।

मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना के हितग्राहियों को करेंगे अधिकार पत्र वितरीत

माही की गूंज, खरगोन। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 3 अप्रैल को बैतूल जिले में राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजनान्तर्गत पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार पत्र वितरण करेंगे। इस दिन जिला एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जन प्रतिनिधियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार पत्रों का बंटन किया जाएगा। वहीं खरगोन जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम झिरन्या में आयोजित किया जाएगा। यहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल ने जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए भीकनगांव एसडीएम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं झिरन्या तसीलदार व जनपद सीईओ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी ग्राम पंचायतों, नगरीय निकाय में देखने एवं सुनने की व्यवस्था के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारी को नोडल अधिकारी एवं जनपद सीईओ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

राम नवमी पर चल समारोह के दौरान खरगोन शहर में दण्डाधिकारी नियुक्त

माही की गूंज, खरगोन।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 30 मार्च गुरूवार को राम नवमी पर चल समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने राम नवमी पर चल समारोह के दौरान कानून व्यवस्था के नियंत्रण व निगरानी के लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में खरगोन शहर में राम नवमी चल समारोह के दौरान तालाब चौक में अपर कलेक्टर श्री केके मालवीय एवं भगवानपुरा तहसीलदार श्री मुकेश मचार को कार्यपालिक दंडाधिकारी नियुक्त किए है जो कर्तव्य स्थल पर मौजूद रहेंगे। वहीं पुलिस कोतवाली कंट्रोल रूम के लिए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिराली जैन, संपूर्ण चल समारोह में कानून व्यवस्था के प्रभारी खरगोन एसडीएम श्री ओएन सिंह होंगे। इसके अलावा दांगी मढी खरगोन में गोगांवा तहसीलदार श्री रामकृष्ण अहिरवार, सम्पूर्ण चल समारोह में रथ के साथ खरगोन तहसीलदार श्री योगेन्द्रसिंह मौर्य, चल समारोह के आगे नायब तहसीलदार खरगोन श्री महेन्द्रसिंह दांगी को कर्तव्य स्थल के लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी बनाया गया है। वहीं अनाज मंडी से सराफा बाजार तक कसरावद तहसीलदार श्री रमेश सिसोदिया, झंडा चौक से किला गेट के लिए महेश्वर तहसीलदार श्री मुकेश बामनिया, श्रीकृष्ण टॉकिज से बिस्टान रोड़ तिराह तक झिरन्या प्रभारी तहसीलदार श्री जगन प्रसाद सौर, बस स्टेण्ड से श्रीराम धर्मशाला के लिए भीकनगांव नायब तहसीलदार श्री कृष्णा पटेल तथा संजय नगर खरगोन के लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी खरगोन नायब तहसीलदार श्री ठेबड़ा विस्के कर्तव्य स्थल पर मौजूद रहेंगे। नियुक्त कार्यपालिक दण्डाधिकारी गुरूवार को प्रातः 11 बजे कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होकर सौंपे गए दायित्वों को पूर्ण निवर्हन कर व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। वहीं अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार अपने अनुभाग एवं तहसील में सम्पूर्ण कानून व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

मोबाइल रोड टेसटिंग लेब ने 5 सड़कों की जाँची गुणवत्ता

माही की गूंज, खरगोन। शहर में मोबाइल रोड टेसि्ंटग लेब पहुँची। यहां इस लेब द्वारा सड़कों की गुणवत्ता की जांच की ओर वीडियो भी बनाएं। नगर पालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि मप्र शासन द्वारा हर नगरीय विकास विभाग के संभागीय कार्यालय को एक-एक मशीन आवंटित की गई है। सड़कों की गुणवत्ता जांचने के लिए डिवीजन कार्यालय द्वारा पूर्व में सीसी रोड और बीटी रोड की सूची माँगी गई थी। विभाग रैंडम आधार पर रोड टेस्ट के लिए मशीन भेजी गई। यह मोबाइल रोड टेसि्ंटग लेब मशीन तत्काल रोड़ की थिकनेस जांच सकती है। इसके अलावा उपयोग में लाये गए मटेरियल के लिए बनाए गए वीडियो के आधार पर जांच डिवीजन कार्यालय में होती है।

नगर की इन सड़कों की जानी गुणवत्ता

सीएमओ श्रीमती पटेल ने बताया कि दी गई सूची अनुसार संभागीय कार्यालय द्वारा रैंडम आधार पर 5 सड़कों को जांच के लिए निर्धारित किया गया। खरगोन नगर पालिका द्वारा पूर्व में 75 सड़कों की सूची भेजी गई थी। मुख्यमंत्री अधोसंरचना से निर्मित सौमित्र नगर की दो सीसी रोड़, सनावद रोड़, नूतन नगर नर्सरी रोड और चमेली की बाड़ी की सीसी रोड़ जाँची।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोबाइल रोड टेसि्ंटग लेब में कोर कटर कंक्रीट एंड बिटुमिन, डिजिटल रिबाउंड हैमर, डिजिटल थर्मोमीटर, डिजिटल टेप, स्लम कोन, विजिंग मशीन और बिटुमिन एक्ट्रेक्टर शामिल है।

कलेक्टर ने मोबाईल एप्प के माध्यम से भरा लाड़ली बहना योजना का आवेदन-पत्र

माही की गूंज,बड़वानी।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत जिले की ग्राम पंचायतो में शिविर लगाये जा रहे है। इसी के तहत कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने मंगलवार को विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम बडगांव में लगाये गये शिविर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिविर स्थल पर उपस्थित महिलाओं को योजना के संबंध में जानकारी देते हुये बताया कि समग्र में आधार नम्बर दर्ज करवाकर बैंक में आधार नम्बर सीडिंग व डीबीटी आप्शन को सक्षम कराकर योजना का लाभ 23 से 60 वर्ष तक आयु की महिलाए ले सकती है। उन्होने महिलाओं से यह भी कहा कि वे अपने ग्राम की अन्य महिलाओं को भी इस योजना की जानकारी देकर उन्हें भी फार्म भरने के लिये शिविर स्थल पर भेजे ।

इस दौरान कलेक्टर ने मोबाईल एप के माध्यम से शिविर में आई श्रीमती अंजूबाई का भी आवेदन पत्र आनलाईन किया । इस दौरान श्रीमती अंजूबाई ने कलेक्टर का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उन्हें नही पता था कि मोबाईल के माध्यम से भी इतनी तेजी से आवेदन हो सकता है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिविर में प्राप्त आवेदनो का भी परीक्षण किया । इस दौरान सेंधवा एसडीएम अभिषेक सराफ, तहसीलदार राहुल सोलंकी भी उपस्थित थे ।

गंधवानी विद्यालय के लिए पन्द्रह शिक्षकों का होगा प्लेसमेंट

माही की गूंज, बड़वानी। शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में सेवन डे हायर सैकेंडरी स्कूल, गंधवानी के लिए पन्द्रह शिक्षकों का प्लेसमेंट कॅरियर सेल के माध्यम से किया जाएगा। गणित, अंगेजी, हिंदी, विज्ञान, कॉमर्स के शिक्षकों के पद हैं। ये पद प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर हैं। वेतन 10 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक रहेगा। गंधवानी में आवास की व्यवस्था स्कूल द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। हायर सैकेंडरी, स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त आवेदक प्लेसमेंट के लिए अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कॅरियर सेल में करवायें। डीएड, बीएड एवं नॉन डीएड, नॉन बीएड शिक्षा प्राप्त आवेदक संपर्क करें।

प्लसमेंट प्रक्रिया में सहयोग अंकित काग, सुरेश कनेश, दिलीप रावत, कन्हैया फूलमाली, स्वाति यादव, सुभाष चैहान, पूनम कुशवाह, तुषार गोले, डॉ. मधुसूदन चैबे आदि सहयोग कर रहे हैं।

3 अप्रैल को पशुवध ग्रह व मांस विक्रय केन्द्र बंद के आदेश

माही की गूंज, खरगोन। भारतीय शासन जीव जन्तु कल्याण बोर्ड में आदेशानुसार पर्युषण पर्व 3 अप्रैल सोमवार को पुरे दिन पंजीकृत व अपंजीकृत पशुवध ग्रह एवं मांस विक्रय केन्द्र बंद रहेंगे। इस संबधं में कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने पशु कुरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत 3 अप्रैल को संपूर्ण जिले में पशुवध ग्रह एवं मांस विकय केन्द्र बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में बताया गया है कि इस दिन कोई भी पशुवध नहीं करेंगे व ना ही मांस का विक्रय करेगें। आदेश का उल्लंघन करने पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (2) के अंतर्गत एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश पूरे सोमवार को पूरे दिन लागू रहेगा।

आईजी-डीआईजी निमाड़ रेंज ने ली हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के लोगों की बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

रामनवमी पर सेंधवा शहर में शोभायात्रा, जुलूस निकाला जायेगा। रामनवमी जुलूस एवं रमजान माह को देखते हुए बुधवार को आई जी इंदौर ग्रामीण जोन श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी निमाड़ रेंज तिलक सिंह, नवागत एसपी पुनीत गेहलोद ने हिंदू समाज एवं मुस्लिम समाज के द्वारा मनाए जाने वाले त्योहार की पूरी जानकारी लेकर एसपी श्री पुनीत गेहलोद, एसडीओपी सेंधवा कमल सिंह चैहान, टी आई सेंधवा शहर राजेश यादव को संपूर्ण कार्यक्रम में आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए ।

बैठक के दौरान सभी समाज जनों से भी अपील की, कि कार्यक्रम में वॉलंटियर जरूर रखे जो स्वयं भी कार्यक्रम की व्यवस्था देखें । बैठक के पश्चात् एसपी श्री पुनीत गेहलोद, एसडीएम सेंधवा श्री अभिषेक सराफ, एसडीओपी सेंधवा कमल सिंह चैहान एवं टी आई सेंधवा शहर राजेश यादव ने रामनवमी को निकलने वाले पूरे जुलूस के मार्ग का पैदल भ्रमण कर मार्ग में पड़ने वाले प्रत्येक प्रत्येक बिंदु को बारीकी से देखकर टीआई और एसडीओपी को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। पवित्र माह रमजान में शाम के समय रोजा इफ्तार के समय होने वाली भीड़ के लिए ट्रैफिक व्यवस्था ठीक रखने और ईद में व्यवस्थित ड्यूटी के निर्देश भी दिये।

शांति समिति बैठक आयोजित

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर राहुल फटिंग की अध्यक्षता, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला एवं नवागत पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद की उपस्थिति में मंगलवार को सेंधवा शहर के नगरपालिका कार्यालय के हॉल में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में आगामी त्यौहारो रामनवमी जुलूस, रमजान ईद, महावीर जयंती, हनुमान जयंती, परशुराम जयंती के मद्देनजर यह निर्देश दिए गए कि रामनवमी पर्व एवं अन्य पर्वो पर निकाले जाने वाले चल समारोह, डोले एवं जुलूस की अनुमति आयोजनकर्ताओं को पूर्व से लेनी होगी। जुलूस के दौरान कोई भी व्यक्ति धारदार हथियार लेकर नहीं चलेंगे और ना ही डीजे पर कोई अशोभनीय गाने बजाए जाएंगे। रामनवमी, हनुमान जयंती पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा अथवा यातायात बाधित ना हो, ऐसे स्थानों को चिन्हित कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस एवं यातायात बल तैनात किया जाएगा।

बैठक के दौरान शांति समिति के सभी सदस्यों से रामनवमी के जुलूस के प्रारंभ एवं समापन तक के पूरे कार्यक्रम के बारे में चर्चा की गई। बैठक के दौरान श्री पंकज झवर ने जानकारी देते हुए बताया कि जुलूस महालक्ष्मी मंदिर से प्रारंभ होकर राम मंदिर पर समाप्त होगा । जिसमें मुस्लिम पक्ष द्वारा रामनवमी के जुलूस का स्वागत करने की इच्छा व्यक्त करने पर हिंदू समाज के द्वारा इसे सहर्ष स्वीकार किया गया। बैठक में त्योहारों के दौरान मार्ग में प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता व्यवस्था, जुलूस के दौरान शराब दुकान बंद सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, एसडीएम सेंधव अभिषेक सराफ, एसडीओपी सेंधवा कमल सिंह चैहान, टीआई सेंधवा शहर राजेश यादव, टीआई ग्रामीण अनोख सिंह, नगर पालिका सीएमओ कमलेश पाटीदार, एमपीईबी के एई बड़ोले एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मां शक्ति की भक्ति : 551 मीटर लंबी विशाल चुनरी ओढ़ाई...

माही की गूंज, आलीराजपुर।

चैत्र नवरात्रि पर्व पर आलीराजपुर आज शक्ति की भक्ति में रम गया, माता भक्तों ने विशाल चुनरी पदयात्रा निकाल कर मां मनकामनेश्वरी मंदिर पर 551 मीटर की चुनरी ओढ़ाई। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी तिथि पर पटेल परिवार के द्वारा बस स्टैंड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर से बोरखड स्थित मां मनकामनेश्वरी मंदिर तक विशाल चुनरी पदयात्रा निकाली गई।

चुनरी यात्रा में छोटी-छोटी बालिकाओं के साथ में महिलाएं अपने सीर पर कलश धारण कर चल रही थी, तो वहीं युवाओं के हाथों में केसरिया ध्वज था। यात्रा का पूरे नगर में जगह-जगह पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। वहीं पूरी यात्रा मार्ग पर शीतल जल का छिड़काव किया गया ताकि पैदल चलने वाली माता- बहनों को तपती गर्मी से राहत मिल सके।

अलीराजपुर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई विशाल चुनरी यात्रा मनकामनेश्वरी मंदिर बोरखड़ पर पहुंची, हजारों की संख्या में भक्त इस चुनरी यात्रा में शामिल हुए,बता दे की हर वर्ष चैत्र नवरात्रि की सप्तमी को यह चुनरी यात्रा पटेल परिवार बोरखड़ के द्वारा निकाली जाती है।

नवागत एसपी ने संभाला पदभार

माही की गूंज, आलीराजपुर।

ज़िले के नवागत पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया । जो भापुसे के 2016 बेच के अधिकारी हैं । हंसराज सिंह इससे पहले पुलिस उपायुक्त यातायात नगरीय पुलिस भोपाल में पदस्थ थे। जो आलीराजपुर जिले के 10 वे पुलिस अधीक्षक होंगे । पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने पदभार ग्रहण करते समय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसएम सैंगर के साथ जिले के थानो के सभी बड़े पुलिस अधिकारी मौजुद थे।

छोटे बच्चे ने भी रखा रोजा

माही की गूंज, बरझर।

मुस्लिम समाज का रमजान माह चालू हे आज सातवा रोजा रख-कर मुस्लिम समाज रोजे इबादत कर रहे हैं । इस रमजान माह में बरझर में भी इबादत करने में पुरुष महिलाओं के साथ छोटे बच्चे भी पिछे नहीं हट रहे हैं। जो ग्राम बरझर इरसाद खान के 3 वर्षीय लडका शीफतेन खान व इन्तराज खान का 5 वर्षीय बालक अजमत खान ने पहला रोज़ा रखा। इन दोनों भाईयों के रोज़ा रखने के चलते परिजन व मोहल्ले के समाजजनो ने फूलमालाओ से इस्तकबाल किया। साथ ही बच्चों की होशला अफजाई के लिए मिठाई खाने के लिए पैसे भी दिए जा रहे है। साथ ही बच्चों का पहला रोज़ा खुलवाने के लिए परिजन अपने साथ में लेकर बेठे ओर मगरिब की अज़ान होते ही खजूर के साथ रोज़ा खुलवाकर पीने के लिए पानी दिया। बरझर में मुस्लिम समाज में अब तक के सबसे छोटे बच्चे ने रोज़ा रखकर समाज को एक अच्छा संदेश दिया।

डॉ विजय सिंह बघेल होगे मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी

माही की गूंज, अलीराजपुर/सोण्डवा

डॉ विजय सिंह बघेल ने मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी सोण्डवा का पदभार ग्रहण किया !डॉ विजय द्वारा पूर्व में प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी जोबट एवम् जिला स्वास्थ्य अधिकारी अलीराजपुर के कार्य दायित्वों का निर्वहन किया गया !मध्यप्रदेश शासन के द्वारा लोक स्वास्थ्य एवम् प्रबंधन संवर्ग हेतु डॉ बघेल को चिकित्सा अधिकारी से मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है !

जॉइनिंग के लिए पधारे नवागत सी बी एम ओ डॉ विजय बघेल का प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विमल डुडवे,समस्त चिकित्सा अधिकारी,बी पी एम यूनिट,कम्युनिटि हेल्थ ऑफिसर्स,नर्सिंग ऑफिसर्स,ए एन एम और समस्त पेरामेडिकल स्टाफ़ एवम् समस्त स्वास्थ्य अमले ने पुष्पमाला के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया !डॉ विमल डुडवे और बी पी एम द्वारा ब्लॉक की भौगोलिक परिस्थितियों एवम् स्वास्थ्य सेवाओं की वस्तुस्थिति से अवगत करवाया ! डॉ बघेल ने बताया कि विकास खंड में शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओ को क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्रों में पहुँचाना एवम् स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओ की प्रदायगी तथा पी एच सी और सी एच सी पर 24म7 स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी !

इस मौके पर विशेष रूप से पधारे मुख्य चिकित्सा एवम् स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रकाश ढोके,जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ फुंकवाल और डी पी एम डॉ प्रीतिबाला राठौर डॉ नरेंद्र भयड़िया ने उपस्थित समस्त स्वास्थ्य अमले को सम्बोधित किया !तथा समस्त चिकित्सा अधिकारी,नर्सिंग ऑफिसर,सी एच ओ,ए एन एम और पेरामेडिकल स्टाफ तथा परिजन और ईष्ट मित्रों ने डॉ बघेल को बधाइयाँ एंव शुभकामनाएं दी !

आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीज से लिये रुपये, निजी अस्पताल को नोटिस हुआ जारी

कलेक्टर ने दो बाबुओं को किया निलंबित, कमिश्नर ने 3 को ज़ारी किए नोटिस

माही की गूंज, खरगोन।

मुखूयमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मासिक समाधान ऑनलाइन के माध्यम से शिकायतकर्ताओं को सुना और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। समाधान ऑनलाइन में खरगोन में घुघरियाखेड़ी के यशवंत कर्मा की शिकायत का भी निराकारण किया गया। शिकायतकर्ता यशवंत कर्मा ने अपनी पत्नी विद्या कर्मा के इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल साईं समर्थ में एडमिट कराया था। उनका आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल द्वारा इलाज के लिए 1 लाख 21 हजार 821 रुपये लिए गए। यशवंत कर्मा ने इस संबंध में 18 जून 21 में सीएम हेल्पलाईन पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर 30 अगस्त 22 को जिला अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच दल का गठन किया गया। जांच के बाद शिकायतकर्ता को निजी स्वास्थ्य संस्था द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत 61267 रुपये लौटाए गए। मरीज के परिजनों से पैकेज के अतिरिक्त राशि वसूल करना पाया गया। सीएमएचओ ड़ॉ. डीएस चौहान द्वारा साईं समर्थ अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इधर कलेक्टर और कमिश्नर ने भी कार्यवाही की

समाधान ऑनलाइन से पहले कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने जिला चिकित्सालय के दो बाबुओं निहाल सिंह सिसोदिया सहायक ग्रेड-2 और अजय मोरे सहायक ग्रेड-3 को सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है। जबकि इंदौर संभागायुक्त ड़ॉ. पवन शर्मा ने सीएमएचओ ड़ॉ. डीएस चौहान, मलेरिया अधिकारी ड़ॉ. मनोज पाटीदार और प्रशासकीय अधिकारी जीएस सोलंकी को नोटिस जारी कर 7 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के आदेश किये है।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

यह समय हिंदू मुस्लिम तथा बोहरा एवं जैन समाज के विशेष त्योहारों धार्मिक आयोजनों का होने से आयोजन शांतिपूर्वक तथा पूर्ण सुरक्षा के साथ संपन्न हो इसके लिए सभी समाजों का सहयोग जरूरी माना जाता है इसके लिए आम्बुआ पुलिस थाने पर शांति तथा सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

हमारे संवाददाता के अनुसार इस समय हिंदू सनातन धर्म में माता रानी के नौ दिवसीय आयोजन चेत्र नवरात्रि का होकर आगामी दिनों में श्री राम नवमी पर राम जन्मोत्सव का भव्य जुलूस, हनुमान जयंती के आयोजन के साथ-साथ जैन समाज के महावीर जयंती के अलावा वर्तमान में मुस्लिम तथा बोहरा जमात में पाक रमजान का महीना भी चल रहा है जिसके समापन पर ईद का त्यौहार होगा इन सभी धार्मिक आयोजन को सफल पूर्वक तथा शांति एवं सुरक्षा से मनाए जाने हेतु थाना परिसर में नायब तहसीलदार हर्षल बेहरानी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शासन-प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार आयोजन करने एवं अन्य समस्याओं पर चर्चा कर त्योहारों- धार्मिक आयोजन शांतिपूर्वक मनाए जाने पर विचार विमर्श किया गया बैठक में थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल, सरपंच रमेश रावत, महेंद्र सिंह रावत, कालू सिंह भयडिया, नवाब खान, साजिद शेख, अमान पठान, असलम खान, हासिम अली, सारी खान आदि उपस्थित रहे।

मल्टी की गैलरी गिरी बड़ा हादसा टला

माही की गूंज ,रतलाम।

नगर निगम के जर्जर भवनों की हालत और जर्जर होती जा रही है लेकिन इनका मैंटेनेंस करने में किसी को रुचि नहीं है। पिछले महीनों में जवाहरनगर में मल्टी की गैलरी गिरने से बड़ा हादसा टल गया। अब काटजूनगर स्थित शॉपिंग काम्प्लेक्स की गैलरी गिर गई। मंगलवार रात हुए हादसे के समय गैलरी के नीचे कोई नहीं था वरना बड़ा हादसा हो सकता था। गैलरी के नीचे खड़ी मेडिकल स्टोर संचालक की बाइक गैलरी से गिरे मलबे की चपेट में आने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रात में निगम अमला पहुंचा रात में शॉपिंग काम्प्लेक्स के छज्जे की गैलर गिरने की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोगों में हडकंप मच गया। नगर निगम अमले को सूचना मिलने पर अमला पहुंचा और बिजली सप्लाई बंद कर शेष गिरने लायक हिस्से को भी गिराने की कार्रवाई की।

जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने कार्यालय पहुंचकर संभाला पदभार

पूर्व एसपी अभिषेक तिवारी ने भी एसपी सिद्धार्थ बहुगुना का किया स्वागत

माही की गूंज ,रतलाम।

प्रदेश में बड़े स्तर पर आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं, जिसमे रतलाम जिले के भी एसपी का तबादला किया गया है। रतलाम के नवागत एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने देर रात एसपी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्हें यहां से स्थानांतरित एसपी अभिषेक तिवारी ने चार्ज सोपा। बहुगुणा जबलपुर से स्थानन्तरित होकर रतलाम आए है। रतलाम एसपी के रूप मे पदस्थ अभिषेक तिवारी का सागर एसपी के पद पर स्थानान्तरण हुआ है। इस दौरान जिले के कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

थाना प्रभारी की कार्यवाही से जनता खुश

माही की गूंज, शाजापुर।

जांबाज पुलिस ऑफिसर अपनी जान जोखिम में डालकर जनता को खतरे से आगाज कराके सुरक्षा में तैनात है। शाजापुर जिले के थाना शुजालपुर मण्डी के थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा का अपराधीकरण अंकुश लगता जा रहा है। क्षेत्र में चल रहे जुआ-सट्टे पर लगाम लगाने में कामयाबी हासिल कर रहे है। अपनी दबंग निष्पक्ष छवि के लिए जितेंद्र वर्मा ने जब से शुजालपुर मंडी थाने की कमान संभाली है। तब से क्षेत्र में अपराधियों में पुलिस का एक अलग ही डर व खोफ है, थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा के दिन-रात क्षेत्र में भ्रमण से जनता में सुख-शांति का माहौल बन गया है। मण्डी थाना क्षेत्र की जनता को थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा और अधीनस्थ स्टाफ से तालमेल बनाकर जनता की सुरक्षा कर रहे हैं। सटोरिए व माफिया भी चिंतित है, क्षेत्र में सुरक्षा व शांति का माहौल है। जिससे पुलिस विभाग पर जनता का भरोसा बढ़ता हुआ देखने को भी मिल रहा है।

जनसुनवाई में हुई सुनवाई मिली आर्थिक सहायता

माही की गूंज, खरगोन। बिस्टान के मोहन पाटिल मंगलवार को जनसुनवाई में आर्थिक सहायता प्राप्त करने की उम्मीद से उपस्थित हुए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री केके मालवीय ने सुनवाई कर कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा को अवगत कराया। कलेक्टर श्री वर्मा ने मोहन पाटिल से उनकी समस्या के बारे में जानकारी ली। उन्हें मोहन बताया कि वे बिस्टान की स्कूल में चतुर्थ श्रेणी का कार्य करते है। उनका मासिक वेतन भी अत्यंत कम है और उनको दिल की बीमारी है। घर मे विधवा माँ और परिवार का पालन पोषण करना और खुद के लिए दवाई खरीदना मुश्किल से हो पाता है। कलेक्टर श्री वर्मा ने मोहन की आर्थिक स्थिति और जरूरत देखकर रेडक्रॉस सोसायटी से 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

निमाड़ की गर्मी में युवा ने ठंडी हवा का उद्योग शुरू किया, शासन से मिला प्रोत्साहन

माही की गूंज, खरगोन।

निमाड़ की लू भरी गर्मी से कौन परिचित नही है। यहां की गर्मी लंबे समय से रिकॉर्ड बना रही है। इस गर्मी में राहत देने की मंशा से कसरावद के युवा रोहित पाटीदार ने अपना व्यवसाय स्थापित करने का हौसला दिखाया। 32 वर्षीय बीकॉम की शिक्षा ग्रहण करने के बाद अपना व्यवसाय शुरू करने वाले युवा कों उद्योग विभाग की एमएसएमई प्रोत्साहन योजना का सहयोग मिला। वर्ष 2018-19 में अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर स्वयं कूलर बनाना शुरू किया। जब सफलता मिली तो इसको बड़े स्तर पर प्रारम्भ करने की इच्छा हुई। वर्तमान में रोहित ने 4 वर्षो में निमाड़ के जिलो के अलावा मालवा में भी कई स्थानों पर अपने डीलर स्थापित कर चुके है। रोहित बताते है कि यहां गर्मी लू व लपट वाली होती है। इसके बावजूद यहाँ के नागरिकों की पसन्द एसी न होकर कूलर है। क्योंकि यहां के नागरिक पर कृषि आधारित है। ऐसी दैनिकचर्या में अक्सर लोग कुलर ही पसंद करते है। इसलिए कूलर का व्यवसाय प्रारम्भ किया है।

करीब 20 युवाओं को दे रहे है स्थायी रोजगार

वर्ष 2019 से प्रारम्भ किये अपने कार्य के लिए रोहित ने शुरुआत में 6 युवाओं को काम दिया। इसके बाद धीरे-धीरे काम का विस्तार हुआ। आज की स्थिति में रोहित 17 युवाओं स्थायी रोजगार दे रहे है। जबकि करीब 7 युवा प्रतिदिन के हिसाब से काम कर रहे है। रोहित ने पहली बार 12 डीलरों के साथ 400 कूलर बेचने में सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने लगातार वृद्धि की। वर्तमान में वो मालवा में सतवास, बुरहानपुर, खंडवा, सेंधवा और धार व अलीराजपुर के जिलो में अपने व्यवसाय का विस्तार किया है। उद्योग एवं व्यापार विभाग के महाप्रबंधक श्री एके सोनी ने बताया कि रोहित पाटीदार ने इस व्यवसाय के लिए करीब 1 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार कर अपना उद्योग प्रारम्भ किया। एमएसएमई प्रोत्साहन योजना में रोहित को अब तक प्रोत्साहन राशि के तौर पर 3 लाख रुपये प्रदान किये। अभी 11 अप्रैल 23 को होने वाले कार्यक्रम के माध्यम से शासन द्वारा इनको 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

ऐसे मिली उद्योग लगाने की प्रेरणा

रोहित ने बताया कि करीब 4 वर्ष पूर्व उनके जियाजी बाजार से महंगे दाम पर कुलर खरीद कर लाए। उस कुलर को पुरा खोलकर बनावट और उसमें उपयोग में लायी सामग्री को देखा परखा। इसके बाद उन्होने ने भी वैसा ही कुलर बनाने के प्रयास किये। इस प्रयास में उनको सफलता मिलने के साथ ही मुनाफा और तकनीक विकसित करने का अवसर भी नजर आया। इसके बाद रोहित ने मार्केट की जरूरतों को समझने की कोशिश की। आगे रोहित ने निमाड़ की गर्मी में ठण्डी हवा के व्यवसाय को ही स्थापित करने की ठानी। आज उनके इस हौसले को शासन भी प्रोत्साहित कर रही है।

जिले में धर्मांतरण एक मुद्दा, लड़ाई या फिर ढकोसला

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। धर्मांतरण जिले में एक ऐसा मुद्दा है जो कई दशकों से भुनाया जा रहा है। जिले में राजनीति करने का यह एक जरिया भर भी कहा जा सकता है, या फिर हिन्दुवादी संगठनों द्वारा सिर्फ अपनी रोटी सेकने का माध्यम माना जा सकता है। इसके अलावा तो यहां की आम जनता व आदिवासी समाज से इसका कोई लेना-देना दूर-दूर तक कहीं नजर आता दिखाई नहीं देता। जिले में हिन्दुवादी संगठनों और मिशनरियों के बीच दशकों से वाकयुद्ध चलता आ रहा है। जो हिन्दुवादी संगठन दशकों पहले से धर्मांतरण का विरोध करते आ रहे है वे आज भी उसी तरह विरोध करते देखे जा सकते है। यही स्थिति में ईसाई मिशनरी भी है, दशकों से वे अपने धर्म का प्रसार कर रहे है और आज भी वही करते देखे जा सकते है। इन दोनों संस्थाओं और संगठनों में कोई तब्दीली या बदलाव दशकों में अब तक नही आया जो जैसा काम करता था वह आज भी वैसा ही काम कर रहा है। यह जिले की आम जनता के लिए विचारणीय प्रश्न भी हो सकता है...?

जिले में हिन्दुवादी संगठन दशकों से धर्मांतरण का विरोध करते आ रहे है, लेकिन वे जिले में अब तक ऐसे किसी कार्य को रोकने में नाकाम ही दिखाई दिए है। उसके उलट ईसाई मिशनरी लगातार अपना काम कर रही है और उसके परिणाम भी उसके पक्ष में है। हालांकि इस बात के कोई दस्तावेजी प्रमाण कहीं भी मौजूद नहीं है की जिले में कितने आदिवासी हिन्दु या क्रिसचन है। हिन्दु संगठनों का तो यह दावा है कि आदिवासी हमेशा से ही हिन्दु है, और ईसाई मिशनरी जिले में आदिवासी हिन्दुओं को धर्मांतरण करवा कर ईसाई बना रही है। इसके उलट ईसाई मिशनरी हिन्दु संगठनों के इस दावे को हमेशा से ही नकारती आई है। मगर यह भी सच है कि, ऑफ द रिकार्ड जिले में क्रिसचनिटी बढ़ी है, अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार जिले में यह आंकड़ा लगभग 50 हजार से भी अधिक है। कहीं-कहीं तो जिले के कई गांवों में 70 से 80 प्रतिशत आदिवासी आबादी ईसाई धर्म अपना चुकी है। वो कहते है कि, प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती, वैसे ही जिले के आदिवासी ग्रामीण अंचलों में ईसाई प्रार्थना घर और कनवर्ट आदिवासियों के गले में क्रूस की माला स्वतः ही उनके धर्मांतरित होने की गवाही दे रहे है।

अब पिछले कुछ वर्षों में धर्मांतरण के मुद्दे पर हिन्दुवादी संगठनों ने सरकार व प्रशासन से जिले में धर्मांतरण रोकने की मांग लगातार की है। मगर इसका उन्हे कोई फायदा यहां मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। वैसे भी प्रशासन और सरकार को बीच मे लेकर धर्मांतरण को कतई रोका नहीं जा सकता यह सब जानते है। तो इस बात का कोई तुक नहीं बनता कि, हिन्दुवादी संगठन सरकार व प्रशासन के जरिए धर्मांतरण पर नकेल कस सके। वैसे जो अब तक जिले में जो मामले घर वापसी के सामने आए है वह सिर्फ हिन्दूवादी संगठनों और भगत समाज के प्रयासों से ही आए है। हां यह जरूर होगा कि धर्म और धर्मांतरण के नाम पर जमकर राजनीति होगी। चाहे वह जिले में हो या प्रदेश में। क्योंकि पिछले कुछ समय में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान कई मंचों से इस बात को कह चुके है कि, अवैध धर्मांतरण के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और धर्मांतरण करवाने वालों को बख्सा नहीं जाएगा। हालांकि सरकार और प्रशासन की और से अब तक ऐसी कोई खबर सामने नही आई जिसमें सरकारी तंत्र ने कहीं पर किसी तरह का धर्मांतरण रोका हो। हां यह जरूर है कि, जहां-जहां भी ऐसे मामले सामने आए वहां-कहां दिखावे की कार्रवाई करते हुए कुछ गिरफ्तारियां जरूर हुई मगर इसके अलावा कोई कदम सरकार द्वारा अब तक उठाया गया दिखाई नहीं देता। मतलब सीधा और साफ है, सरकार इसे रोक नहीं सकती और राजनीति में टिकने के लिए धर्मांतरण का मुद्दा छोड़ नहीं सकती।

वैसे देखा जाए तो धर्मांतरण का यह मुद्दा हिन्दुवादी संगठनों के लिए भी इतना गंभीर दिखाई नहीं देता। क्योंकि अगर वास्तव में हिन्दु संगठनों को इसकी गंभीरता का अंदाजा होता तो शायद आज धर्मांतरण के मामले में जिले की स्थिति ऐसी तो नहीं होती। जिले में हिन्दु संगठन सिर्फ अपने मतलब की रोटियां ही सेकते है। सिर्फ सुर्खियों में बने रहना ही इनका एक मकसद रह गया है। उगरानी, डराना, धमकाना, धर्म के नाम पर गुंडागर्दी ऐसे कई आरोप है जो इन संगठनों पर लगते आए है। वैसे भी देखा जाए तो हिन्दु संगठनों ने जिले में पिछले दो दशकों में कभी कोई धर्म का काम किया ही नहीं। क्योंकि वे तो सिर्फ ईसाई मिशनरी का विरोध करने में ही लगे हुए है। ''कहीं किसी विद्वान ने कहा था कि, अगर कामयाब होना है तो अपनी लाइन लम्बी करो, दूसरों की लाइन मिटाने या तोडने से कभी कामयाबी नहीं मिलती।'' कहने का मतलब बिल्कुल साफ-साफ है कि, अगर कामयाब होना है तो दूसरों का विरोध करना बंद करो और अपनी लाइन लंबी करने में लग जाओ। जो काम आज जिले में या प्रदेश में हिन्दुवादी संगठनों को करना चाहिए था वही काम आज मिशनरी कर रही है, और यह प्रत्यक्ष प्रमाण है कि, मिशनरी कभी किसी संगठन या धर्म का विरोध नहीं करती वह सिर्फ अपनी लाइन लम्बी करने में लगी हुई है।

हिन्दुवादी संगठनों की धर्मांतरण के नाम जिले में चल रही यह लड़ाई कहीं ढकोसला तो नहीं...? जिस तरह धर्म और धर्मांतरण के नाम पर राजनीति हो रही है उसी तरह हिन्दु संगठन भी सिर्फ अपनी रोटियां सेकने, दबदबा बनाए रखने और सुर्खियों में बने रहने के लिए विरोध स्वरूप ढकोसला मात्र ही कर रहे है। क्योंकि पिछले दिनों जिला मुख्यालय पर हिन्दु संगठनों ने नवीन चर्च के उद्घाटन को लेकर जिस तरह का विरोध कर झाबुआ बंद करवाया था और महज कुछ लोगों को लेकर सभा करना और चेतावनी देना तो यही दर्शाता है। दूसरा यह कि, हिन्दु संगठन द्वारा आयोजित इस तरह के विरोध प्रदर्शन में आम हिन्दु क्यों दूरी बनाकर रहता है। जिले में विहिप के आंदोलनों और आयोजनों में सिर्फ कुछ ही आदिवासी और भगत समाज के ही लोग क्यों होते है। धाक और डर से बाजार तो बंद करवाए जा सकते है लेकिन यह कोई असल सफलता तो नहीं कही जा सकती है। जिसका विरोध इतने जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन से किया गया वह काम तो बड़े ही सफतम तरीके से हो ही गया। सब कुछ होने के बाद अब हिन्दुवादी संगठन फिर से गांव-गांव वन टू वन करने पहुंच चुके है। धर्मांतरण को लेकर फिर वहीं छुट-पुट मामले, उनका विरोध, थाना, चौकी पर प्रदर्शन, कुछ की घर वापसी, बाकी सब स्थिति ''ढाक के तीन पात''।

हिन्दु संगठनों की धर्मांतरण को लेकर लड़ी जाने वाली इस लड़ाई में कोई दम दिखाई तो नहीं देता, लेकिन एक बात जरूर है कि, सरकार इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है और तंत्र हिन्दु संगठनों को बेवकूफ बना रहा है या फिर हिन्दु संगठन धर्म व हिन्दुत्व को लेकर ढकोसला कर रहे है...?

चुनावी साल और राजनीतिक हलचल, जिले की फिजाओं में गर्माहट घोल रही है

भाजपा जिलाध्यक्ष का प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी

ऐसा नहीं है कि, जिले में पहले कभी प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह न खड़े हुए हो या तंत्र में बैठे अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप न लगे हो। वर्षों से जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली हमेशा से ही कटघरे में रही है। जिले के इतिहास में प्रशासनिक अमले में कई ऐसे अधिकारी गुजरे है, जिन्होने भ्रष्टाचार के नए-नए आयाम गढ़े है। कई मामले उजागर हुए तो कई मामलों में उजागर होने के बाद भी कार्रवाईयां नहीं हुई। कई अनियमितताएं सामने आई, तो कई को अनदेखा भी कर दिया गया। कई मामलों में जनप्रतिनिधि मामला उजागर होने के बाद आवाज उठाते रहे, विपक्षीय पार्टी के लोग मिली भगत का आरोप लगातें रहे, लेकिन ऐसे मामलों में भी नजीते सिफर ही नजर आते।

जिले में शायद ही ऐसा कोई मामला सामने आया हो जब जनप्रतिनिधियों ने तंत्र में फैले भ्रष्टाचार का विरोध किया हो और उस पर कार्रवाई हुई हो। विपक्षीय पार्टी के लोग तो विपक्षीय ही रहे। असल में कारण यह है कि, जिस भी तरह के भ्रष्टाचार के मामलों में शिकायतें जिले के बाहर या भोपाल तक पहुंचती है, पहले तो वे लंबे समय तक संज्ञान में ही नहीं ली जाती और अगर कोई मामला संज्ञान में ले भी लिया जाता तो उसकी जांच जिले में उन्ही लोगों को सौंप दी जाती जिनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हुई हो। इससे जांच की स्थिति का अंदाजा स्वतः ही लगाया जा सकता है। ऐसा न भी हो तो जिले में बनी जांच टीम को सेटल करना भ्रष्टाचारियों के लिए आसान ही रहता। बहुत कम मामले ऐसे होते जब जांच टीम सेटल नहीं हो पाती या फिर जांच टीम अपने परिणाम तब उजागर करती या आगे सौंपती, जब सांप निकल चुका होता। मतलब सांप भी न मरे और लाठी भी ना टूटे। जिले में इसका एक उदाहरण सीधे तौर पर नगरपालिका झाबुआ में सामने आया है। तालाबों के सौंदर्यीकरण में हुए भ्रष्टाचार की जांच तब सामने आई जब परिषद ही बदल गई और परिषद में बैठे तमाम भ्रष्टाचारी यहां से रवाना हो गए।

पिछले दिनों भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट प्रशासन के खिलाफ की जो काफी चर्चा का विषय बनी रही। भानू भूरिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा था कि, ''जिला प्रशासन पूरी ताकत और जोश के साथ सरकार को डुबोने में लगा है।'' इस पोस्ट के बाद प्रशासनिक अमला जरूर सकते में आ गया। भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया का यह दावा है कि, प्रशासन के कारण सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। ये सब पूरी प्लानिंग से हो रहा है। अफसर पूरी कोशिश कर रहे है कि, जनता में सरकार की अच्छी छवि न बने। भानू भूरिया ने जिले के प्रशासनिक तंत्र पर कई तरह की लापरवाही के आरोप लगाए है। जिले में सरकारी खरीदी में भ्रष्टाचार, मनरेगा में बकाया राशि का साल भर से रूका भुगतान, बकाया भुगतान की वहज से गांवों में जनप्रतिनिधि नए काम नही करवा पा रहे, स्कूली गणवेश का मुद्दा ऐसे कई मुद्दों पर भूरिया ने आवाज उठाते हुए प्रशासन पर खास लोगों को फायदा पहुंचाने का भी आरोप लगाया। इन सब से सरकार की ही छवि खराब होती है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब भानू भूरिया प्रशासन की बखियां उधेड़ रहे है।

भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के बाद भानू भूरिया लगातार लापरवाही और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाते रहे है। पिछले माह सरकार द्वारा निकाली जा रही विकास यात्रा के दौरान भी भानू भूरिया ने ग्रामीणों के बीच भरी सभा में प्रशासन और उसके आला अधिकारियों की लू उतारी थी। हालांकि यह एक सच्ची हकीकत है कि, सरकार के दावों और जमीनी हकीकत में जमीन आसमान का फर्क है और यह फर्क प्रशासनित तंत्र ने भ्रष्टाचारी दीमक के रूप में पैदा किया है। इसका एक ताजा उदाहरण जिले में जल जीवन मिशन है। जिसको लेकर प्रशासन जिले में अब 50 प्रतिशत लक्ष्य भी पूरा नहीं कर पाया है। हालांकि यह दावा है कि, कार्य प्रगति पर है। मगर कहां कितना कार्य प्रगति पर है इसकी कोई स्पष्ट स्थिति अब तक शायद प्रशासन के पास भी नहीं है। खैर जो भी हो लेकिन भाजपा जिलाध्यक्ष की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारतीय जनता पार्टी और प्रशासन के बीच की तनातनी को सबके सामने लाकर खड़ा कर दिया। चूंकि साल चुनावी है तो मामला भी गर्माया हुआ ही है। अब इस गर्माहट के परिणाम क्या होंगे यह आने वाले माह में शायद पता चल ही जाएगा।

कांग्रेस युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष का गिरफ्तार होना और छूट जाना

इधर चुनावी साल को देखते हुए कांग्रेसी खेमें में भी काफी हलचल देखने को मिल रही है। हालांकि यह हलचल सिर्फ वर्तमान विधायक और पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया और उनके बेटे प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के आसपास ही घूमती नजर आती है। कांग्रेसी खेमें में जो भी होता है वह भूरिया परिवार के आसपास ही शुरू होकर वहीं खत्म भी हो जाता है। बाकी जिले में बची कांग्रेस भूरियाओं को देखकर और ताली बजाकर ही खुश है। यह एक कड़वा सत्य भी है कि, भूरिया ने जिले में कांग्रेस को सिर्फ अपने तक ही समेट कर रख लिया है। यही कारण है कि, जिला कांग्रेस से आजतक कोई प्रदेश लेवल की राजनीति में नहीं पहुंच पाया। जो पहुंचा वह निपट भी गया। हालांकि जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर अब भी कांग्रेस का कब्जा है, लेकिन जो दो विधायक है वे भी भूरिया के आदेशों-निर्देशों की कटपुतली ही दिखाई पड़ते है।

पिछले दिनों हुए घटना क्रम ने कांग्रेस में हलचल पैदा जरूर कर दी है, लेकिन यह सारा घटनाक्रम अजीबो-गरीब तरीके से घटित हुआ। हुआ कुछ यूं कि, राहुल गांधी की संसदी जाने के बाद कांग्रेस ने देशभर में प्रदर्शन किए। भोपाल में यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया की अगवाई में भी विरोध प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन रेल रोकने और इंजिन पर चढने के आरोप में विक्रांत भूरिया पर भोपाल में मामला दर्ज हुआ था। मामला रोचक तब हो गया जब 26 मार्च को जीआरपी भोपाल की पुलिस विक्रांत की गिरफ्तारी के लिए 350 किलोमीटर दूर झाबुआ पहुंच गई। जैसे ही यह खबर फैली वैसे ही कांग्रेसियों ने भूरिया के निवास पर इक्ट्ठा होना शुरू कर दिया। झाबुआ पुलिस के साथ जब भोपाल जीआरपी विक्रांत को गिरफ्तार करने पहुंची तो हंगामा हो गया। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की जैसे हालात भी बने, लेकिन बाद में योजनाबद्ध तरीके से विक्रांत ने समर्पण कर दिया। अब सवाल यह कि, जब गिरफ्तारी देनी ही थी तो फिर कार्यकर्ताओं को बुलाकर इतना बड़ा हंगामा क्यों..? पुलिस विक्रांत को लेकर भोपाल के लिए रवाना हुई रास्ते में हर जगह उसे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का विरोध झेलना पड़ा।

विक्रांत को लेकर भोपाल पहुंची जीआरपी ने जैसे ही विक्रांत को न्यायालय में पेश किया न्यायालय ने गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताते हुए बिना किसी शर्त के जमानत दे दी। इस घटना क्रम ने कई सवाल एक साथ खड़े कर दिए। पहला तो यह कि, जब मामला इतना बड़ा था ही नहीं तो जीआरपी भोपाल से 350 किलोमीट दूर सरकारी धन का दुरूपयोग कर झाबुआ क्या सिर्फ घूमने के लिए आई थी। क्या ऐसा नही हो सकता था कि, विक्रांत को सूचना देकर भोपाल ही बुला लिया जाता। यह भी हो सकता था कि, इतना नाटक करने की बजाय जीआरपी खुद विक्रांत को नोटिस जारी कर यह बता देती कि, इस मामले में आप जमानत करवा लें। क्या सरकार के निर्देश पर विक्रांत के खिलाफ इस तरह का मामला दर्ज किया गया...? मगर ऐसा लगता नहीं कि, विक्रांत जैसे नेता के लिए सरकार इस तरह की ओछी हरकत करेगी। कहीं ऐसा तो नही है कि, यह श्वांग खुद कांग्रेस या भूरिया का रचा हुआ हो...? यह ऐसे सवाल है जिनका जवाब अभी तो गौण है, मगर समय जरूर समय आने पर जवाब देगा। 52 घंटे बाद विक्रांत पुनः घर वापसी कर चुके है। घर पहुंचते ही उन्होने अपने पिता से आशीर्वाद भी लिया। कार्यकर्ताओं ने जमकर स्वागत किया और विक्रांत को फूल मालाओं से लाद कर जमकर आतिशबाजी की। हालांकि मामला इतना बड़ा भी नहीं था, मगर राजनीति में अगर स्टंट न हो तो फिर वह राजनीति कैसी...? खैर जो भी हो लेकिन चुनावी साल और राजनीतिक हलचल जिले की फिजाओं में अब लगातार गर्माहट घोल रही है।

तुलसी इंडियन गैस एजेंसी की मनमानी

अनिवार्य मैकेनिकल निरीक्षण के बिना ही वसूल रहा 240 रुपए

माही की गूंज, झाबुआ /कुंदनपुर।

राणापुर की तुलसी इंडियन गैस एजेंसी की ऐसी करतूत की ÷चोर चोरी से जाए पर हेरा फेरी से न जाए÷ कि कहावत को चरितार्थ करता है। पूर्व में भी उक्त एजेंसी के खिलाफ उसकी मनमानी को लेकर शिकायतें हुई और बताया जा रहा है कि पूर्व में हुई शिकायतों पर संचालक व्यवस्था बदली गई थी। लेकिन उक्त तुलसी इंडियन गैस एजेंसी अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आती है और ''चोर चोरी से जाए पर हेराफेरी से नहीं जाए'' की कहावत को चरितार्थ करता है की शिकायत उपभोक्ता कर रहे है।

इस बार कुंदनपुर के उपभोक्ताओं की शिकायत है कि, तुलसी इंडियन गैस एजेंसी संचालक के कर्मचारी गैस टंकी वितरण में 12 सौ रूपये गैस टंकी के ले रहे है, साथ ही 240 रूपये अलग से किसी उपभोक्ता को बीमे की राशि तो किसी को अनिवार्य गैस कनेक्शन निरीक्षण के नाम पर वसूली कर कुल 1440 रूपये वसूल रहा है। लेकिन न हीं 240 रूपये की रसीद दी जा रही है न हीं 12 सो रुपए की। तय है उक्त एजेंसी द्वारा बिना रसीद के की जा रही वसूली मनमानी के साथ अवैध वसूली करना ही दर्शा रहा है।

गूंज प्रतिनिधि ने एजेंसी के प्रोफार्म पर दर्शाए मोबाइल नंबर 9109872140 पर जानकारी लेना चाही तो उक्त नंबर पर एक से अधिक बार फोन लगाने पर भी रिसीव नहीं किया। जबकि उक्त नंबर इंडियन गैस एजेंसी राणापुर की समस्या के समाधान हेतु क्षेत्रवासियों के लिए सार्वजनिक किया है लेकिन उक्त फ़ोन को कोई अटेंड करने वाला नहीं है यह हमारे फोन कॉल करने के बाद पता चला।

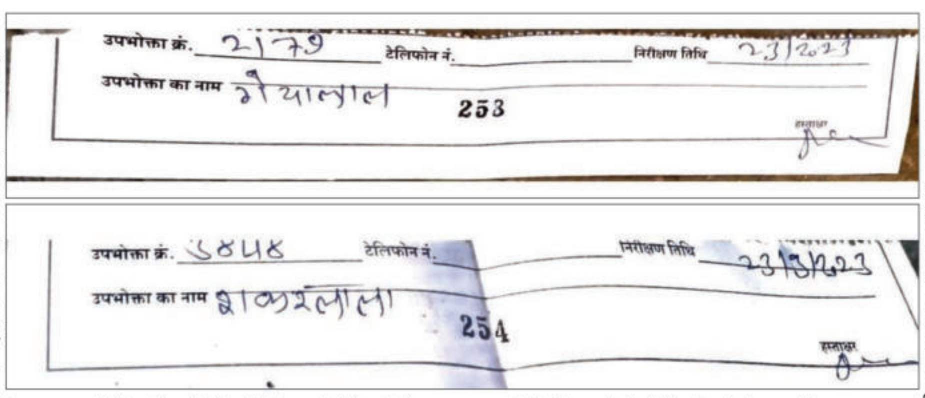
उपभोक्ता क्रं. 2179 टेलिफोन नं. निरीक्षण तिथि 23/3/2023
उपभोक्ता का नाम गैंदालाल
253
हस्ताक्षर

उपभोक्ता क्रं. 3848 टेलिफोन नं. निरीक्षण तिथि 23/3/2023
उपभोक्ता का नाम शंकरलाल
254
हस्ताक्षर

तुलसी इंडियन गैस एजेन्सी बिना मेकेनिकल जांच निरीक्षण के ही कर रहा 240 रुपये की अवैध वसूली ओर लोगो के जीवन से भी कर रहा खिलवाड।

गूंज ने तुलसी गैस इंडियन एजेंसी की उक्त मनमानी के बारे में जानकारी निकाली तो पता चला मय 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ उज्जवला योजना के उपभोक्ताओं से 59 रूपये व रेगुलर गैस उपभोक्ताओं से 236 रूपये घरेलू संस्थापन का अनिवार्य निरीक्षण 5 वर्ष में एक बार करना अनिवार्य होता है। जिसमें मैकेनिकल सर्विस के लिए उक्त राशि गैस एजेंसी ले सकती है और उक्त राशि की रसीद मय जीएसटी के साथ उपभोक्ता को देना होती है और उक्त रसीद के साथ 59 रूपये उज्जवला योजना व 236 रूपये रेगुलर उपभोक्ताओं से राशि प्राप्त कर गैस सुरक्षा संबंधी एक निर्धारित समय देकर उपभोक्ता के घर मैकेनिक जांच निरीक्षण हेतु पहुंचेगा की जानकारी राशि प्राप्त रसीद में उल्लेख करना अनिवार्य होता है।

जिसके बाद मैकेनिक कंपनी के निर्दशाअनुसार उपभोक्ता के घर पहुंचता है और निर्देशों के प्रोफार्मनुसार तमाम बिंदुओं पर उपभोक्ता की उपस्थिति में निरीक्षण कर उपभोक्ताओं को गैस से सुरक्षा संबंधी सारी जानकारी देने के बाद, प्रोफार्म पर उपभोक्ता का निरीक्षण किया गया के संबंध में हस्ताक्षर करवाए जाते हैं और एक काउंटर रसीद मैकेनिक के हस्ताक्षर के साथ उपभोक्ता को देना होता है। यह होने के बाद ही किसी अप्रिय दुर्घटना होने पर गैस उपभोक्ता परिवार को बीमा लाभ मिल सकता है। लेकिन तुलसी इंडियन गैस एजेंसी के संचालक गैस टंकी वितरण करते समय ही कुंदनपुर के साथ क्षेत्र के गैस उपभोक्ताओं से टंकी के 12 सौ व 240 रूपये निरीक्षण मैकेनिकल प्रोफर्म पर बिना मैकेनिकल जांच निरीक्षण के ही फार्म पर हस्ताक्षर करवा कर बिना निरीक्षण किए ही उपभोक्ताओं को निरीक्षण किया जाने की काउंटर रशीद देकर अवैध वसूली कर लोगों की जान से भी खिलवाड़ करने में भी कोई चूक नहीं कर रहा है।

तय है सरकार ने गैस उपभोक्ता की सुरक्षा हेतु घरेलू गैस कनेक्शन के निरीक्षण प्रावधान इसलिए किया कि कोई अनियमितता गैस उपयोग करते समय हो रही हो उसे दूर किया जाए और कोई घरेलू गैस दुर्घटना ना हो। लेकिन बिना मैकेनिकल निरीक्षण व बिना किसी रशीद के ही अवैध वसूली कर उपभोक्ताओं के साथ ठगी कर निरीक्षण संबंधी काउंटर रसीद दे रहा है। इस संबंध में कुंदनपुर निवासी गेंदालाल उपभोक्ता क्रमांक 2179 व शंकरलाल उपभोक्ता क्रमांक 3848 ने गूंज को बताया कि, बिना किसी रसीद के 12 सौ रुपए गैस टंकी व 240 रूपये बीमा के नाम से अलग से कुल 1440 रूपये लिए गए और एक काउंटर रशीद जिसपर पै दिनांक 23 मार्च को मैकेनिकल निरीक्षण की काउंटर रसीद दी गई। जबकि ना कोई मैकेनिक आया और न कोई निरीक्षण किया गया। वही इस संबंध में रिटायर्ड एसआई वीरेंद्र सिंह चौहान का कहना है कि, बिना रसीद व बिना किसी मेकेनिकल जांच निरीक्षण के किसी भी गैस एजेंसी द्वारा इस तरह से वसूली करना अवैध वसूली है और यह कानूनन अपराध है। गैस उपभोक्ताओं से इस तरह से गैरकानूनी रूप से वसूली करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422